सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गजरौला के तिगरी गंगा धाम इलाके में 4 फीट तक भरा पानी पेज: 4

अभिनेत्री श्रुति देशपांडे ने थिएटर नाटक 'नकाब में नवाजुद्दीन के पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 154 | मंगलवार 08 सितंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

यूपी में बीजेपी का मिशन 2027 शुरू, विनोद तावड़े ने संभाली कमान, योगी से हुई मुलाकात

लखनऊ: बीजेपी ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपनी संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी सिलसिले में, राज्य के नए प्रभारी विनोद तावड़े ने रविवार को लखनऊ में वरिष्ठ नेताओं और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठकों का पहला दौर किया। तावड़े ने रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की; इस दौरान बीजेपी के यूपी सह-प्रभारी जगदीश ईश्वरभाई पटेल भी मौजूद थे। विधानसभा चुनावों के लिए अपनी संगठनात्मक मशीनरी तैयार करने की प्रक्रिया के तहत, यह बैठक उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के साथ हुई चर्चाओं के बाद आयोजित की गई थी। हाल ही में BJP के UP प्रभारी बनाए गए तावड़े ने सरकार के कामकाज, संगठन की तैयारियों और 2027 के चुनावों के लिए पार्टी के रोडमैप पर चर्चा की है। BJP ने संकेत दिया है

पश्चिमी क्षेत्र देश की आर्थिक, औद्योगिक और वित्तीय ताकत का केंद्र: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को पणजी, गोवा में पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की 28वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल सहित केंद्र और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और यह भारत का सबसे बड़ा आर्थिक, औद्योगिक और वित्तीय केंद्र है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से कई प्रशासनिक सुधारों के जरिए देश की अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने का काम किया गया

है। अमित शाह ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र को देश की आर्थिक वृद्धि का 'WEST Engine' कहा जा सकता है। इसमें ह यानी Wealth और Finance, E यानी Exports और Ports, S यानी Start-ups और Semiconductors तथा ळ यानी Tourism और Blue Economy शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी क्षेत्रों में पश्चिमी क्षेत्र की देश में बड़ी हिस्सेदारी है। गोवा में हर साल एक करोड़ से अधिक पर्यटक आते हैं, जिनमें करीब 5 लाख विदेशी पर्यटक हैं। पर्यटन गोवा के GSDP में 16 प्रतिशत का योगदान देता है। महाराष्ट्र देश में सबसे अधिक 33,872 स्टार्टअप वाला राज्य है। गुजरात का धोलेरा सेमीकंडक्टर क्षेत्र के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। गुजरात का मुंद्रा पोर्ट सबसे अधिक कार्गो संभालता है, जबकि दीनदयाल पोर्ट भी देश के प्रमुख बड़े बंदरगाहों में शामिल है। वहीं, मुंबई देश की वित्तीय राजधानी होने के साथ वैश्विक पूंजी के बड़े केंद्र के रूप में भी उभर रहा है। 2014 के बाद क्षेत्रीय परिषदों की बैठकों में करीब

बच्चों में कुपोषण खत्म करना, स्कूली बच्चों के.....

इसके अलावा शहरी मास्टर प्लान, बिजली आपूर्ति, पीएसीएस को मजबूत करना, पोषण अभियान के जरिए बच्चों में कुपोषण खत्म करना, स्कूली बच्चों के ड्रॉपआउट रेट को कम करना, सरकारी अस्पतालों की आयुष्मान भारत

तीन गुना बढ़ोतरी अमित शाह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान में दिए गए सहकारी संघवाद (Cooperative Federalism) के प्रावधान को मजबूत करने की दिशा में काम किया है। उन्होंने बताया कि 2004 से 2014 के बीच क्षेत्रीय परिषदों और उनकी स्थायी समितियों की कुल 25 बैठकें हुई थीं। वहीं, 2014 के बाद अब तक 71 बैठकें हो चुकी हैं। यानी बैठकों की संख्या में करीब तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री मोदी के 'Team India' के विचार का अच्छा उदाहरण बताया। इन बैठकों में कुल 1,893 मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें से 1,445 मुद्दों का समाधान किया जा चुका है। विवादों के समाधान से योजनाओं की निगरानी तक पहुंचीं क्षेत्रीय परिषदें अमित शाह ने कहा कि क्षेत्रीय परिषदें अब केवल राज्यों के बीच विवादों के समाधान का मंच नहीं रह गई हैं, बल्कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन गई हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र के राज्यों के बीच अब कोई विवाद नहीं है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। क्षेत्रीय परिषदों के माध्यम से नदियों से जुड़े राज्यों के बीच कई विवादों का समाधान भी किया गया है। बैठक में बच्चों में कुपोषण, कम वजन और अवरुद्ध विकास आधार की पहुंच और आयुष्मान भारत कार्ड के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे मुद्दों की भी निगरानी की जा रही है। नए न्याय संहिताओं और ड्रग्स के खिलाफ अभियान पर जोर गृह मंत्री ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र को नई न्याय संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन और देश में ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई को सफल बनाने में

'डॉक्टरों से मारपीट करने वाले नेताओं को हिरासत में लो, सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की घटना पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों के सदस्यों द्वारा डॉक्टरों के साथ मारपीट की बढ़ती घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की। सर्वोच्च अदालत ने सरकार को सख्त निर्देश दिया है कि डॉक्टरों पर हमला करने वाले ऐसे राजनेताओं को तुरंत हिरासत में लिया जाए। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी महाराष्ट्र के पालघर जिले के अस्पताल में शिवसेना नेताओं द्वारा डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों के साथ की गई मारपीट के एक दिन बाद आई है। पालघर के रिलीफ अस्पताल में हंगामा जानकारी के मुताबिक, यह घटना रविवार तड़के रिलीफ अस्पताल में हुई। दही हांडी उत्सव के दौरान घायल हुए एक व्यक्ति को अस्पताल से डिस्चार्ज देने

के मुद्दे पर अस्पताल के गलियारों में अचानक विवाद और हंगामा शुरू हो गया। अस्पताल के एक कर्मचारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, शिवसेना के जिला प्रमुख कुंदन संखे, शहर प्रमुख राहुल घरत और अन्य लोगों ने अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में प्रवेश किया और डॉक्टरों के साथ बहस करने लगे। स्थिति तब और बिगड़ गई जब पार्टी के कुछ सदस्य अस्पताल के इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में भी जबरन घुस गए। सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई मारपीट इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि जब एक रिसेप्शनिस्ट ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो एक आरोपी ने उसे थप्पड़ जड़ दिया। इसके अलावा, बीच-बचाव करने आई एक महिला कर्मचारी को भी धमकी दी गई। पालघर पुलिस ने इस मामले में सख्त कदम उठाते हुए कम से कम 17 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, जिनमें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट के सदस्य भी शामिल हैं। कल्याण में भी सामने आया था ऐसा ही मामला डॉक्टरों के साथ मारपीट की यह कोई इकलौती घटना नहीं है। इससे पहले एक इसी तरह के मामले में, कल्याण के एक सिविक अस्पताल में शिवसेना के एक नगरसेवक पर डॉक्टरों के साथ मारपीट करने का आरोप लगा था। उस मामले में पुलिस ने आरोपी रमेश म्हात्रे के खिलाफ केस दर्ज किया

'महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक भाषा बर्दाश्त नहीं, तृषा विवाद के बाद सीएम विजय की सख्त चेतावनी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने विधानसभा में बोलते हुए महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक और अश्लील टिप्पणियों पर कड़ा रुख अपनाया है। दरअसल, अभिनेत्री तृषा पर नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन द्वारा की गई अप्रत्यक्ष अपमानजनक टिप्पणी के कुछ दिनों बाद आई है। सीएम विजय ने कहा कि राजनीतिक आलोचना जायज है, लेकिन महिलाओं के खिलाफ दोहरे या तिहरे अर्थ वाली मानहानिकारक भाषा को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता के पीछे महिलाओं का सबसे बड़ा योगदान है और महिलाओं का अपमान करने वालों के खिलाफ कानून सख्त कार्रवाई करेगा। स्वतंत्रता हर किसी का व्यक्तिगत अधिकार सीएम विजय ने

विधानसभा में बोलते हुए कहा, "कानून व्यवस्था के संदर्भ में, मैं अपना भाषण समाप्त करने से पहले यह कहना चाहता हूं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हर किसी का व्यक्तिगत अधिकार है। लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उपयोग कैसे किया जाए, इस पर हमें विचार करना होगा। मेरा निवेदन है कि राजनीतिक कारणों से किसी को भी लोगों, महिलाओं और अन्य लोगों को अपमानित नहीं करना चाहिए। यह मेरा आम निवेदन है। मैं यह इसलिए कह रहा हूं क्योंकि हाल के दिनों में तमिलनाडु में अश्लीलता और दुर्भावना की नदी बह रही है। जो भी महिलाओं के बारे में अपमानजनक, दोहरे और तिहरे अर्थों में बोलता है, लोग उस पर नजर रख रहे हैं। हमारे घरों में भी वही महिलाएं मां और बहन के रूप में मौजूद हैं। बेहतर होगा कि आप इसे ध्यान में रखें और उचित भाषा का प्रयोग करें। मैं सभी से निवेदन करता हूं कि वे महिलाओं के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी न करें।"क्या है मामला? गौरतलब है कि तमिलनाडु विधानसभा में नेत प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन द्वारा कावेरी जल मुद्दे पर तंजावुर में रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान भीड़ ने अभिनेत्री तृषा का नाम लेकर नारेबाजी शुरू की, तब उन्होंने कहा, "पानी कहीं और पहुंचे या न पहुंचे, उसे वहां जरूर पहुंचना चाहिए।" इस बयान को अभिनेत्री तृषा और मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से जोड़ते हुए इसे एक अभद्र और दोहरे अर्थ वाला बयान बताया गया।

'नई ऊंचाइयों पर भारत-फ्रांस संबंध', पीएम मोदी ने पेरिस के स्वामीनारायण मंदिर का वर्चुअली किया उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पेरिस के स्वामीनारायण मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़े। उद्घाटन समारोह के दौरान पीएम मोदी 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना का जिक्र करते हुए कहा कि यह मंदिर सदियों तक दोनों देशों के बीच सहयोग और अटूट दोस्ती का प्रतीक बना रहेगा। पीएम मोदी भारत-फ्रांस संबंधों की सराहना करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंधों की ठोस नींव पर टिकी है। नई ऊंचाईयों पर भारत-फ्रांस संबंध उन्होंने कहा, 'हाल के वर्षों में भारत और फ्रांस के संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंचे हैं। मेरे मित्र राष्ट्रपति (इमैनुएल) मैक्रों के साथ मिलकर दोनों देश विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं।' एआई, रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में मिलकर कर रहें काम प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देश

तकनीक, एआई, रक्षा, अंतरिक्ष और जलवायु जैसे क्षेत्रों में साथ काम कर रहे हैं। हम 2026 को भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष के रूप में भी मना रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेखांकित किया कि पेरिस में मंदिर का उद्घाटन केवल एक धार्मिक या वास्तुकला से जुड़ा आयोजन नहीं है, बल्कि यह 'वसुधैव कुटुंबकम' के प्राचीन भारतीय दर्शन और विश्व बंधुत्व की भावना का जीवंत प्रतीक है। भारत-फ्रांस की विविधता को मजबूत करेगा यह मंदिर पीएम मोदी ने कहा कि स्वामीनारायण मंदिर सिर्फ पूजा के केंद्र नहीं होते।

यहां सेवा के काम भी किए जाते हैं। पेरिस का यह मंदिर भी सेवा से जुड़े कामों का केंद्र बनेगा। बीएपीएस के मंदिरों के जरिए भारतीय विचार और मानवीय मूल्यों का संदेश दूसरे देशों तक पहुंचता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पेरिस का यह मंदिर फ्रांस की विविधता को और मजबूत करेगा।

बाढ़ से 27 लाख प्रभावित, राहत शिविरों में पहुंचे सीएम सम्राट चौधरी, पीड़ितों संग खाया खाना

बिहार: बिहार में नदियों का पानी ओवरफ़्लो होने से 13 ज़िलों में बाढ़ आ गई है, जिससे लगभग 27 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने वैशाली और भागलपुर में बाढ़ पीड़ितों के लिए चल रही कम्युनिटी किचन्स का निरीक्षण भी किया। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ प्रभावित अलग-अलग ज़िलों में 190 कम्युनिटी किचन्स चलाई जा रही हैं, जबकि राहत और बचाव कार्यों के लिए 1,429 नावें लगाई गई हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उनके डिप्टी विजय कुमार चौधरी ने वैशाली और भागलपुर में कम्युनिटी किचन्स का निरीक्षण किया और स्थानीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे लगातार नदी के तटबंधों की निगरानी करें और संवेदनशील इलाकों पर कड़ी नजर रखें। उन्होंने सारण में भी कम्युनिटी किचन्स का निरीक्षण किया और लोगों को अपने हाथों से भोजन परोसा। इस दौरान सीएम ने बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ खुद भी भोजन किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि हर समस्या, हर कदम पर जनता के साथ हूँ! उन्होंने कहा कि वैशाली एवं सारण के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हाजीपुर एवं सोनपुर के राहत शिविरों का निरीक्षण किया। राहत शिविर में लोगों से संवाद कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया, स्वयं भोजन परोसा और उनके साथ भोजन भी किया। आपदा पीड़ितों को सहायता राशि भी दी गई एवं प्रभावित किसानों को फसल क्षति का समुचित मुआवजा दिया जाएगा। आमजन की सुरक्षा और राहत कार्यों में कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। पटना में गांधी घाट और हाथीदह पर गंगा नदी के जलस्तर के बाढ़ के उच्चतम स्तर तक पहुँचने के बाद अधिकारियों ने नदी के निचले इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया

दिल्ली में किस बात से बेबस 'ट्रिपल इंजन' सरकार? सत्य निकेतन हादसे पर राहुल गांधी का बीजेपी पर वार

नई दिल्ली: लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली के सत्य निकेतन में एक पीजी बिल्डिंग के गिरने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सरकार पर बचाव के उपाय न करने और जवाबदेही तय न करने का आरोप लगाया। एक्स पर एक पोस्ट में, गांधी ने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार का एक पैटर्न है: हादसों से पहले कोई बचाव का कदम नहीं उठाना और फिर त्रासदियों के बाद दिखावा करना। साथ ही, वे निचले स्तर के अधिकारियों को ज़िम्मेदार ठहराते हैं और जिन्हें उन्होंने असली दोषी कहा, उन्हें जवाबदेही से बचने देते हैं। गांधी ने कहा कि सत्य निकेतन में इमारत का गिरना कोई अकेली घटना नहीं थी और उन्होंने दिल्ली में हाल की अन्य घटनाओं का ज़िक्र किया, जिनमें सैदुलजाब में मौतें और हौज रानी में आग लगने की घटना शामिल है। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री पर यह आरोप भी लगाया कि वे सरकार से

सवाल पूछने वालों को "दिमागी नक्सल" और "नाराज फूफा" जैसे शब्द कहकर शर्मिंदा करने और चुप कराने की कोशिश करते हैं। उन्होंने जवाबदेही की कथित कमी को राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी से जोड़ा। गांधी ने जन सुरक्षा के मामले में बीजेपी सरकार के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि और जब आप जवाबदेही मांगते हैं, तो प्रधानमंत्री खुद आप पर 'ब्रेनवॉश किए गए नक्सली' या 'नाराज फूफा जैसे अपमानजनक लेबल लगाते हैं–इसका मकसद सवाल पूछने की हिम्मत करने वाले किसी भी व्यक्ति को शर्मिंदा करना, बदनाम करना और चुप कराना होता है। 12 सालों से यह सरकार आपको दुनिया भर की बड़ी-बड़ी बातें सुनाकर गुमराह करती रही है,

लेकिन कभी भी असली मुद्दों पर बात नहीं की। दिल्ली में 'ट्रिपल इंजन' सरकार है, तो अब इस बेबसी का क्या बहाना है? दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास सत्य निकेतन में मौजूद एक इमारत में लड़कों के लिए 'पेइंग-गेस्ट' रहने की सुविधा थी। रविवार को मरम्मत का काम चल रहा था, तभी यह इमारत ढह गई, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

डिफेंस सेक्टर में बड़ा कदम: 1.10 लाख करोड़ रुपये के रक्षा सौदे को मंजूरी; भारतीय सेना की बढ़ेगी ताकत

नई दिल्ली। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने सोमवार को लगभग 1.10 लाख करोड़ रुपये के रक्षा खरीद प्रस्तावों के लिए मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन मंजूरियों में भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना की जरूरतें शामिल हैं। खबर है कि लगभग 98% खरीद भारतीय उद्योगों से ही की जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 7 सितंबर को डीएसी की बैठक की अध्यक्षता की। सेना को सीबीआरएन वाहन, हेलीकॉप्टर और ब्रिजिंग सिस्टम मिलेंगे। सेना के लिए, डीएसी ने केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर रेकी वाहनों, हाई मोबिलिटी वाहनों, सेल्फ-प्रोपेल्ड मैकेनिकल माइन लेयर्स, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टरों, ट्रॉवल टैंकों और सर्वत्र ब्रिज सिस्टम के प्रस्तावों को मंजूरी दी। सेना को क्या-क्या मिलेगा? सेना के लिए सीबीआरएन (केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर) टोही वाहनों की खरीद को मंजूरी दी गई है। इन वाहनों का उपयोग दूषित क्षेत्रों का पता लगाने, उनकी पहचान करने, निगरानी रखने और उन्हें चिह्नित करने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा हाई मोबिलिटी वाहनों को

भी मंजूरी मिली है, जो ऑपरेशनल और लॉजिस्टिक जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ कठिन इलाकों में आवाजाही को आसान बनाएंगे। मुश्किल इलाकों में तेजी से माइन बिछाने की क्षमता बढ़ाने के लिए माइन लेयर सिस्टम भी खरीदे जाएंगे। अलग-अलग तरह के इलाकों में ऑपरेशन के दौरान फाइटिंग यूनिट्स के लिए रास्ता बनाने के लिए ट्रॉल टैंक और सर्वत्र ब्रिज सिस्टम का इस्तेमाल किया जाएगा। इंडियन नेवी को क्या-क्या मिलेगा? भारतीय नौसेना के लिए, डीएसी ने 'अरुधा' रडार की खरीद और मरीन गैस टर्बाइन के डिजाइन, डेवलपमेंट और खरीद को मंजूरी दी है। अरुधा रडार, अलग-अलग नेवल एयर स्टेशनों पर मौजूद एयर रूट सर्विलांस रडार की जगह लेंगे। मरीन गैस टर्बाइन का इस्तेमाल युद्धपोतों को आगे बढ़ाने के लिए किया जाता है। भारत में इनके डिजाइन और डेवलपमेंट का मकसद विदेशी वेंडरों पर नौसेना की निर्भरता को कम करना है। इंडियन एयर फोर्स को क्या-क्या मिलेगा? भारतीय वायु सेना के लिए, काउंसिल ने फाइटर एयरक्राफ्ट, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर की क्षमताओं को बढ़ाने के मकसद से कई प्रस्तावों को मंजूरी दी। डीएसी ने ग्राउंड-बेस्ड मल्टी-पर्पस जैमर की खरीद और डिफेंस फोर्सेज सिक्योर एक्सेस कार्ड सिस्टम लगाने को भी मंजूरी दी। जैमर का इस्तेमाल दुश्मन के रडार के खिलाफ किया जाएगा, जबकि सिस्टम मौजूदा पेपर-बेस्ड पहचान पत्र, पास और परमिट की जगह रेडियो-फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाले इंटरऑपरेबल स्मार्ट कार्ड लाएगा।

भारत में इनके डिजाइन और डेवलपमेंट का मकसद विदेशी वेंडरों पर नौसेना की निर्भरता को कम करना है। इंडियन एयर फोर्स को क्या-क्या मिलेगा?

संपादकीय

इसरो की कामयाबी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अपनी पहले जियोसिंक्रोनस इमेजिंग सैटेलाइट का सफलता पूर्वक प्रक्षेपण कर उसे पृथ्वी की कक्षा में स्थापित कर दिया है। इसे इसरो की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है कि क्योंकि यह इमेजिंग उपग्रह देश के किसी भी क्षेत्र के रियल-टाइम चित्र दे सकेगा। जो समुद्री सुरक्षा, सीमाओं की निगरानी, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी मूल्यवान जानकारी तो देगा ही, साथ ही पर्यावरण की निगरानी भी करेगा। इसके अलावा फसलों की स्थिति, मिट्टी की नमी व वनस्पति की सेहत की जानकारी देकर खेत-खलिहानों के लिये भी बेहद लाभकारी सिद्ध होगा। साथ ही उपग्रह आपदा प्रबंधन के लिये जरूरी जानकारियां उपलब्ध करायेगा। मसलन, बाढ़ प्रभावित इलाकों की स्थिति में पानी की स्थिति की सटीक जानकारी से आपदा राहत कार्य बेहतर ढंग से चलाने में मदद मिल सकेगी। निस्संदेह, इसके प्रक्षेपण से देश की धरती की निगरानी क्षमता में आशातीत वृद्धि होगी। साथ ही धरती पर होने वाले असामान्य बदलावों पर समय रहते नजर रखी जा सकेगी। इसरो द्वारा जीएसएलवी-एफ 17 राकेट के जरिये किया गया यह सफल प्रक्षेपण वैज्ञानिकों को उत्साहित कर गया क्योंकि यह जियोसिंक्रोनस कक्षा से इमेजिंग करने वाला देश का पहला सैटेलाइट है। दरअसल, इस कक्षा में काम करने वाले उपग्रह का सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि यह लक्षित बड़े क्षेत्र पर लगातार निगरानी करते हुए मौजूदा समय के फोटोग्राफ लगातार दे सकता है। जिससे मौसम, पर्यावरण, आपदा प्रबंधन व भूमि की सतह में होने वाली बदलावों के निहितार्थों को समझना आसान हो सकेगा।

दरअसल, इस उपग्रह का लाभ अंतरिक्ष अनुसंधान व सामरिक लक्ष्यों तक ही सीमित नहीं रहेगा, यह खेती व किसानों के लिये भी उतना ही महत्वपूर्ण साबित होगा। इससे मिलने वाले डेटा का प्रयोग हमारे भू-भाग पर उपलब्ध संसाधनों की निगरानी व उसकी प्रकृति में आ रहे बदलावों को समझने में भी मददगार होगा। दावा है कि उपग्रह से मिलने वाले चित्रों के विश्लेषण से फसलों की गुणवत्ता, प्राकृतिक प्रभावों के अलावा मिट्टी की गुणवत्ता की जानकारी जुटाने में सहायता मिल सकेगी। आंकड़ों के वैज्ञानिक विश्लेषण व इस कार्य में लगी सरकारी एजेंसियों की मदद से खेती से जुड़ी नीतियों के निर्धारण, प्रभावी योजनाओं को बनाने और क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। महत्वपूर्ण बात यह भी कि देश के विभिन्न भागों में आने वाले चक्रवात, बाढ़, जंगलों में लगने वाली आग तथा कुदरती रौद्र के दौरान जहां रियल टाइम जानकारी मिल सकेगी, वहीं बचाव व राहत के नीति निर्धारण में भी समय रहते मददगार होगी। दरअसल, धरती की निगहबानी करने वाले उपग्रह प्रभावित क्षेत्रों के चित्र व आंकड़े तुरंत उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाते हैं, जो राहत-बचाव कार्यों में जुटी एजेंसियों के लिये मार्गदर्शक होते हैं। निस्संदेह, आज देश का स्पेस सेक्टर नई ऊंचाइयों की ओर उन्मुख है। देश में 450 से अधिक स्पेस स्टार्टअप्स की मौजूदगी इस बात का प्रमाण है। देश की निजी कंपनियां भी ऑर्बिट तक रॉकेट पहुंचाने लगी हैं। कह सकते हैं कि देश आत्मनिर्भर व आर्थिक रूप से लाभप्रद स्पेस इकोसिस्टम बनाने की ओर बढ़ चुका है।

चिंतन-मनन

शांति के लिए संतुलन जरूरी है

अति हमेशा नुकसान दायक है। यह नियम अच्छी और बुरी दोनों आदतों पर लागू होता है। ऋषि-मुनियों ने अति को वर्जित ही बताया है। बुद्ध ने एक शब्द दिया था मंझम मग्न यानी मध्यम मार्ग। जीवन का यह संतुलन उन्हें एक दिन वह सब दिला गया जिसके लिए उनकी पूरी तपस्या थी। अपनी बोध प्राप्त की अवस्था में उनसे एक प्रश्न पूछा गया था जिसका उन्होंने बड़ा सुंदर उत्तर दिया था। किसी का प्रश्न था उनसे अब आपको क्या मिला? क्या वह प्राप्त हो गया जिसके लिए आपके सारे प्रयास थे? बुद्ध ने कहा- नया कुछ नहीं मिला, जो कुछ मेरे पास पहले से था, पाया ही हुआ था, पूर्व उपलब्ध था, उसका ज्ञान हो गया, पता चल गया उसका। वह दौलत अपने ही भीतर थी हम बाहर ढूंढ रहे थे।

जिसके कारण बाहर निकला, वो तो मेरे भीतर निकला। हम दो भूलें कर जाते हैं या तो बिल्कुल बाहर संसार पर टिक जाते हैं या एकदम भीतर उतर जाते हैं। ये अतियां हमारे लिए हमारे अध्यात्म की दुश्मन बन जाती हैं। आचार्य श्रीराम शर्मा संसार में संतुलन से चलने के लिए एक अच्छा उदाहरण बताया करते थे। दुनिया में ऐसे चलो जैसे पानी में हाथी चलता है। हाथी जानता है पानी में जल्दबाजी करूंगा तो कीचड़ या गड्ढे में गिर सकता हूं। लिहाजा आगे और पीछे के पैर रखने में वह गजब का संतुलन बनाता है। बस, ऐसा ही संतुलन हमें बाहर और भीतर की यात्रा में रखना होगा। जैसे ही हम संतुलन में आते हैं हमारी अंतर दृष्टि स्पष्ट हो जाती है और हम स्वयं को पहचान जाते हैं। स्वयं को जानते ही परमात्मा दिख जाता है। भगवान होना नहीं पड़ता, बस यह समझना पड़ता है कि हम हैं ही भगवान। जरा सा स्वयं का पता लगा और दुनिया बदली। इसीलिए संतुलन जरूरी है संयम की अति से।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

विदेशी निवेशकों का मूड बदला, शेयर बाजार से 7443 करोड़ की निकासी

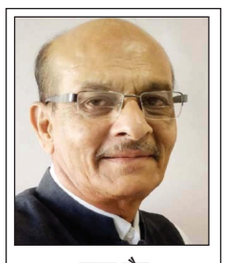

सनत जैन

शेयर बाजार बड़े-बड़े पूंजी निवेशकों की कमाई का अड्डा बन गया है। इसमें छोटे निवेशक और भारतीय संस्थागत वित्तीय निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, लेकिन भारत सरकार और सेबी जैसी संस्थाएं आंख बंद करके बैठी हुए हैं। विदेशी निवेशकों ने 7,443 करोड़ की निकासी की है। जो बाजार के लिए बड़े खतरे की घंटी है। पहले भी विदेशी निवेशक लाखों करोड़ों रुपए निकाल चुके हैं। पिछले दो महीने की खरीदारी से थोड़ी आशा बंधी थी, लेकिन सितंबर माह में अमेरिका-ईरान तनाव, महंगा कच्चा तेल, मजबूत डॉलर और बॉन्ड यील्ड ने विदेशी निवेशकों की चिंता को बढ़ा दिया है। भारतीय शेयर बाजार के विदेशी पोर्टफोलियो के निवेशकों की निकासी से एक बार फिर शेयर बाजार में चिंता हो गई है। करीब दो महीने तक भारतीय बाजार में लगातार पैसा लगाने के बाद विदेशी निवेशकों ने सितंबर के पहले सप्ताह में ही 7,443 करोड़ रुपये की निकासी कर ली है। यह केवल आंकड़ों का उतार-चढ़ाव नहीं है, वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक परिस्थितियों के प्रति विदेशी पूंजी की संवेदनशीलता का संकेत भी है। भारतीय शेयर बाजार से निवेशकों को मुनाफे की जगह घाटा उठाना पड़ रहा है। वहीं भारतीय शेयर बाजार में जोखिम भी बढ़ता जा रहा है। अमेरिका-ईरान तनाव ने कच्चे तेल, डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिसका असर भारत जैसे बाजारों पर पड़ रहा है। यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है। विदेशी निवेशकों का मूड पिछले दो महीनों में ही बदल गया है। चार महीने की लगातार बिकवाली के बाद जुलाई और अगस्त में एफपीआई ने भारतीय बाजार में बड़ी मात्रा में पैसा लगाया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में उन्होंने करीब 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 30,919 करोड़ रुपये का निवेश किया था। दो महीनों में कुल 51,119 करोड़ रुपये की विदेशी पूंजी भारतीय बाजार में आई। इसके तुरंत बाद सितंबर की शुरूआती बिकवाली ने बाजार के सामने फिर वही सवाल खड़ा कर दिया है। जो 4 माह पहले खड़ा हुआ था। विदेशी निवेशकों का भरोसा भारतीय शेयर बाजार में बन नहीं पा रहा है। भू-राजनीतिक तनाव का असर तथा कंपनियों में धोखाधड़ी की खबरों को लेकर विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार को जोखिम के रूप में देख रहे हैं। शेयर बाजार का उतार-चढ़ाव और निवेश अकेले भारतीय कंपनियों के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं करते हैं। वैश्विक ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की कीमतें और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्ष निवेश निर्णयों को प्रभावित करते हैं। अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करता है। तेल महंगा होने का सीधा असर आयात बिल, महंगाई और चालू खाते पर पड़ता है। इससे कंपनियों की कमाई पर असर पड़ता है। यह आशंका विदेशी निवेशकों को सतर्क कर रही है। भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। महंगाई बढ़ रही है। मांग कम हो रही है। इसका असर कंपनियों के मुनाफे पर दिखने लगा है। पिछले दो महीने में जिस तरह से भारत में आंदोलन धरना प्रदर्शन हो रहे हैं, घोटाले के बड़े-बड़े मामले सामने आ रहे हैं, इससे निवेशक भयभीत होकर शेयर बाजार से बाहर निकल रहे हैं। 2026 में शेयर बाजार से निकासी का यह आंकड़ा चिंताजनक है। सितंबर की शुरूआती बिकवाली ने वर्ष 2026 में विदेशी निवेशकों की कुल निकासी को 2.32 लाख करोड़ तक पहुंचा दिया है। यह आंकड़ा 2025 में 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से अधिक है। बीच-बीच में विदेशी पूंजी की वापसी बाजार में भरोसे का संकेत देती है, उनका बार-बार तेजी से बाहर निकलना, भारतीय शेयर बाजार की विदेशी पूंजी पर निर्भरता को उजागर करता है। विदेशी निवेशक जब शेयर खरीदते हैं, बाजार में तेजी को बल मिलता है। भारी बिकवाली होने का असर कई रूप में देखने को मिल सकता है। छोटे और घरेलू निवेशकों पर इसका मनोवैज्ञानिक असर होता है। शेयर बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था की असली परीक्षा आने वाले कुछ महीनों में सामने आएगी। विशेषज्ञों की नजर विदेशी निवेशकों के उस रुख पर है। यदि अमेरिकी बॉन्ड पर आकर्षक रिटर्न मिलता है। डॉलर मजबूत बना रहता है, ऐसी स्थिति में विदेशी पूंजी का बड़ा हिस्सा उभरते बाजारों से निकलकर विकसित बाजारों में निवेश की संभावना बढ़ेगी। जो भारतीय बाजार के लिए विदेशी पूंजी के उतार-चढ़ाव के बावजूद अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखने की सबसे बड़ी चुनौती है। भारतीय अर्थ व्यवस्था की घरेलू मांग, कंपनियों की आय, सरकारी निवेश और घरेलू संस्थागत निवेशक, बाजार को सहारा दे सकते हैं। वैश्विक जोखिमों को देखते हुए भारतीय शेयर बाजार में दोहरी मार पड़ रही है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारतीय शेयर बाजार में नए इशू आ रहे हैं। इसमें मनमाना प्रीमियम लिया जा रहा है। विदेशी निवेशक इस खेल को अच्छी तरह से समझते हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय शेयर बाजार में उनके लिए दीर्घकालीन निवेश करने के लिए कोई अवसर नहीं है। जिसके कारण विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार पैसा निकाल रहे हैं। निवेश करने में रुचि नहीं ले रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ी चेतावनी है।

जहरीली शराब से फिर मौतों का तांडव :सागर से उठता सवाल -जहरीली शराब की कीमत कौन चुका रहा है?

किशन सनमुखदास

मौतें जनता की,राजस्व सरकार का और फायदा माफिया का? -शराब माफिया बड़ा या सरकारी सिस्टम?- समग्र व्यापक विश्लेषण...

हर बार मौत,हर बार जांच, फिर वही जहरीली शराबः आखिर कब टूटेगा माफिया का नेटवर्क?

सागर की जहरीली शराब त्रासदी :मौत के जाम के पीछे कौन? शराब माफिया,प्रशासन और सिस्टम कीजवाबदेही पर बड़ा सवाल?-कब रुकेगा मौत का यह सिलसिला? -देशभर के लिए जहरीली शराब के खिलाफ निर्णायक जंग का आह्वान

वैश्विक स्तरपर भारत में जहरीली शराब से मौत की खबर कोई नई खबर नहीं है।वर्षों से अलग-अलग राज्यों से ऐसी त्रासदियां सामने आती रही हैं और हर बार मौतों के बाद जांच,छापे, गिरफ्तारी,निलंबन, मुआवजा और कठोर कार्रवाई के आश्वासन सुनाई देते हैं।लेकिन कुछ समय बाद वही कहानी किसी दूसरे जिले, दूसरे राज्य और दूसरे गांव में फिर सामने आ जाती है। 6 सितंबर 2026 को मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा क्षेत्र से सामने आई कथित जहरीली/अवैध शराब की त्रासदी ने इसी पुराने प्रश्न को फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है, आखिर जहरीली शराब का नेटवर्क बार-बार क्यों लौट आता है और उसे स्थायी रूप से तोड़ने में व्यवस्था क्यों सफल नहीं हो पा रही? मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहूंगा कि सागर में 6 सितंबर को सुबह से मृतकों की संख्या लगातार बदलती रही।शुरूआती रिपोर्टों में 8-9 मौतें सामने आईं,बाद में 11 और कुछ रिपोर्टों में 12 से 14 से अधिक मौतों की सूचना दी गई।30 से अधिक लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की खबरें भी सामने आईं। प्रभावित क्षेत्र में बंडा तहसील के कई गांवों के नाम सामने आए हैं और प्रशासन ने मेडिकल तथा जांच टीमें तैनात की हैं। शुरूआती चिकित्सकीय आकलन में मेथनॉल विषाक्तता की आशंका व्यक्त की गई,लेकिन अंतिम कारण पोस्टमार्टम और रासायनिक जांच के बाद ही निश्चित होगा।

साथियों, इस घटना ने एक और गंभीर पहलू सामने रखा है। प्रारंभिक जांच संबंधी रिपोर्टों में उत्तर प्रदेश के ललितपुर से कथित नकली शराब नेटवर्क का कनेक्शन सामने आने की बात कही गई है।जांच रिपोर्टों के अनुसार नकली शराब को वास्तविक ब्रांड जैसा दिखाने के लिए नकली लेबल, ढक्कन और क्यूरआर कोड का इस्तेमाल किए जाने का आरोप है तथा इसे वाहनों और मोटरसाइकिलों के माध्यम से मध्य प्रदेश के गांवों तक पहुंचाने की बात सामने आई है।कुछ रिपोर्टों में पांच शराब दुकानों को सील किए जाने की जानकारी भी है। हालांकि इस पूरे नेटवर्क की वास्तविक संरचना और किस स्तर तक इसकी पहुंच थी,यह जांच पूरी होने के बाद ही सटीकता से स्पष्ट होगा।

साथियों,यहीं से पहला और सबसे बड़ा प्रश्न उठता है शराब माफिया आखिर इतना संगठित कैसे हो जाता है कि नकली उत्पाद तैयार कर सके,उसे असली ब्रांड जैसा पैक कर सके,नकली क्यूरआर कोड लगा सके,सीमावर्ती जिलों में पहुंचा सके और अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचा सके? यदि किसी नेटवर्क में उत्पादन, पैकेजिंग, परिवहन, वितरण और स्थानीय बिक्री की अलग- अलग कड़ियां मौजूद हैं,तो यह केवल एक व्यक्ति की आपराधिक गतिविधि नहीं रह जाती;यह संगठित अवैध अर्थव्यवस्था का रूप ले लेती है।सागर की प्रारंभिक जांच में ललितपुर कनेक्शन की बात सामने आना इसी पहलू को गंभीर बनाता है।

साथियों,बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े पहले स्तरः शराब माफिया,नकली शराब की पूरी श्रृंखला को समझने की करें तो,अवैध शराब का कारोबार सामान्यतः केवल उस व्यक्ति तक सीमित नहीं होता जो अंतिम बोतल बेचता है।सवाल यह है कि नकली शराब बनती कहां है,उसके लिए कच्चा माल और रसायन कहां से आते हैं,उसे तैयार कौन करता है,बोतलों में कौन भरता है नकली ब्रांडिंग कौन करता है,परिवहन कौन करता हैऔर स्थानीय स्तर पर उसे बेचने वाला कौन है? सागर मामले में यदि ललितपुर से उत्पादन और सागर तक आपूर्ति की जांच सही साबित होती है, तो जांच एजेंसियों को केवल स्थानीय विक्रेता तक रुकने के बजाय पूरे सप्लाई नेटवर्क को खंगालना होगा।मई 2026 के पुणे मामले ने भी इसी नेटवर्क की गंभीरता दिखाई थी। वहां जांच में मेथनॉल की आपूर्ति और उसे अवैध शराब में मिलाए जाने की कड़ी सामने आई तथा एफडीए ने हजारों किलोग्राम मेथनॉल जब्त किया था।यानें जहरीली शराब की समस्या केवल कुछ लोग चोरी से शराब बना रहे हैं तक सीमित नहीं है; इसके पीछे रसायनों की उपलब्धता,अवैध उत्पादन वितरण और स्थानीय बिक्री जैसी अनेक कड़ियां हो सकती हैं।

साथियों,बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े दूसरे स्तर, प्रशासन और आबकारी व्यवस्था,निगरानी कहां टूटती है? इसको समझने की करें तो,दूसरा सवाल सीधे प्रशासन और आबकारी विभाग की जिम्मेदारी से जुड़ता है।लाइसेंस प्राप्त शराब दुकानों की निगरानी, अवैध बिक्री की पहचान, संदिग्ध शराब की जांच,स्टॉक और दस्तावेजों का सत्यापन तथा अवैध नेटवर्क के विरुद्ध कार्रवाई व्यवस्था की जिम्मेदारियों का हिस्सा हैं।यदि किसी क्षेत्र में लंबे समय तक अवैध शराब बिकती रहती है,तो यह पूछना स्वाभाविक है कि स्थानीय सूचना तंत्र, पुलिस, आबकारी विभाग और जिला प्रशासन के बीच समन्वय कितना प्रभावी था।लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सिद्धांत भी जरूरी है,हर जहरीली शराब की घटना के बाद पूरे प्रशासन को बिना जांच दोषी घोषित करना उचित नहीं है।दोष व्यक्तिगत अधिकारियों का है?,विभागीय लापरवाही है? स्थानीय मिलीभगत है? या नेटवर्क ने निगरानी को चकमा दिया? यह स्वतंत्र जांच से तय होना चाहिए।फिर भी यदि जांच में यह सामने आता है कि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई,संदिग्ध दुकानों की निगरानी नहीं की गई या अधिकारियों ने जानबूझकर आंखें बंद कीं, तो जवाबदेही केवल माफिया तक सीमित नहीं रह सकती।पुणे त्रासदी के बाद पुलिस और आबकारी विभाग के 22 कर्मचारियों के निलंबन? ने यही सिद्धांत सामने रखा कि यदि सरकारी निगरानी में गंभीर चूक प्रमाणित होती है तो प्रशासनिक जवाबदेही भी सटीकता से तय की जा सकती है।

साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े तीसरे स्तरःराजनीतिक और आर्थिक विरोधाभास,राजस्व बनाम जीवन इसको समझने की करें तो,भारत में शराब एक बड़ा आर्थिक क्षेत्र है और अनेक राज्य इससे महत्वपूर्ण राजस्व प्राप्त करते हैं। यही सबसे बड़ा विरोधाभास पैदा करता है। एक ओर सरकार शराब की बिक्री को नियंत्रित और लाइसेंस करती है तथा उससे राजस्व प्राप्त करती है; दूसरी ओर उसी व्यवस्था के समानांतर अवैध शराब का बाजार खड़ा हो जाता है, जो कभी-कभी सीधे मानव जीवन के लिए खतरा बन जाता है।इसका अर्थ यह नहीं कि वैध शराब की बिक्री अपने आप जहरीली शराब की जिम्मेदार है। समस्या उस समय पैदा होती है जब वैध और अवैध बाजार के बीच निगरानी की दीवार कमजोर पड़ती है। नकली बोतल, नकली लेबल, नकली क्यूरआर कोड और असली ब्रांड की नकल उपभोक्ता को यह समझने का अवसर ही नहीं देती कि वह क्या पी रहा है। सागर मामले में सामने आई कथित फर्जी पैकेजिंग इसी चिंता को और गंभीर बनाती है।इसलिए प्रश्न शराब के राजस्व को बंद करने या जारी रखने से पहले यह होना चाहिए कि क्या सरकार की नियामक क्षमता इतनी मजबूत है कि राजस्व व्यवस्था के साथ नागरिकों की सुरक्षा भी सटिका से सुनिश्चित की जा सके?

साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े,चौथे स्तरः मानव जीवन बनाम सरकारी राजस्व को समझने की करें तो,सबसे बड़ा प्रश्न आखिरकार आर्थिक नहीं, मानवीय है। एक व्यक्ति की मृत्यु का मूल्य किसी सरकारी राजस्व तालिका में दर्ज नहीं किया जा सकता। जहरीली शराब से मरने वाले व्यक्ति के पीछे एक परिवार होता है बच्चे होते हैं, माता-पिता होते हैं, पत्नी या पति होते हैं, भविष्य की योजनाएं होती हैं और परिवार की आर्थिक सुरक्षा होती है।यदि कोई व्यक्ति जहरीली शराब पीकर मरता है तो नुकसान केवल एक जीवन का नहीं होता। परिवार की आय समाप्त हो सकती है, बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो सकती है, चिकित्सा खर्च बढ़ सकता है, परिवार कर्ज में जा सकता है और सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता पैदा हो सकती है। इसलिए जहरीली शराब की वास्तविक सामाजिक लागत उस तत्काल सरकारी राजस्व से कहीं अधिक हो सकती है जो शराब के वैध कारोबार से प्राप्त होता है।भारत की जनता अब बार-बार सामने आने वाली ऐसी खबरों से केवल दुखी नहीं है; वह जवाब चाहती है। सवाल अब यह नहीं होना चाहिए कि अगली घटना के बाद कितने लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा। सवाल यह होना चाहिए कि अगली घटना होने ही न देने की सटिका से व्यवस्था कब बनेगी?

हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए ज्ञान की रोशनी

दुनियाभर में लोगों को साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 सितंबर को विश्वभर में ह्यअंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवसह्न मनाया जाता है। दुनिया से अशिक्षा को समाप्त करने के संकल्प के साथ इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की 60वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। पहली बार यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 17 नवम्बर 1965 को 8 सितंबर को ही अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद प्रथम बार 8 सितंबर 1966 से शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्वभर के लोगों का इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। वास्तव में यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का ही प्रमुख घटक है।

निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितंबर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितंबर को 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है।

दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं लेकिन विड़म्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते। तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरी हुई। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक विशेष थीम चुनी जाती है और इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम है 'लोगों, धरती और समृद्धि के लिए साक्षरता'। वर्ष 2025 और 2024 में साक्षरता दिवस क्रमशः 'डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना' और 'बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देनाः आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता' थीम के साथ मनाया गया था। इस विशेष दिवस के लिए 2006 से लेकर अब तक निर्धारित थीम पर नजर डालें तो 2006 में सामाजिक प्रगति प्राप्ति पर ध्यान देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय 'साक्षरता सतत विकास' रखा गया था। वर्ष 2007 और 2008 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की विषय-वस्तु 'साक्षरता और स्वास्थ्य' थी, जिसके जरिये टीबी, कॉलेरा, एचआईवी, मलेरिया जैसी फैलने वाली बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए महामारी के ऊपर ध्यान केन्द्रित करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2009 में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देने के लिए इसका विषय 'साक्षरता और सशक्तिकरण' रखा गया था जबकि 2010 की थीम 'साक्षरता विकास को बनाए रखना' थी। 2011 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए थीम 'साक्षरता और महामारी' (एचआईवी, क्षय रोग, मलेरिया आदि संक्रमणीय बीमारियों) पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थी। 2012 में लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थीम थी 'साक्षरता और सशक्तिकरण'। 2013 में शांति के लिए साक्षरता के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए 'साक्षरता और शांति', 2014 में '21वीं शताब्दी के लिए साक्षरता', 2015 में 'साक्षरता और सतत विकास', 2016 में 'अतीत पढ़ना, भविष्य लिखना', 2017 में 'डिजिटल दुनिया में साक्षरता', 2018 में 'साक्षरता और कौशल विकास' अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। 2019 में 'साक्षरता और बहुभाषावाद', वर्ष 2020 में 'कोविड-19 संकट और उससे संबंधित शिक्षा और शिक्षण', 2021 में 'मानव-केन्द्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरताः डिजिटल विभाजन को कम करना' (लिटरेसी फॉर ए ह्यूमन-सेंट्रड रिकवरीः नैरोइंग द डिजिटल डिवाइड), 2022 में 'ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेस' (साक्षरता सीखने के स्थान को बदलना) तथा 2023 में 'संक्रमण काल में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देनाः टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माण' (प्रोमोटिंग लिटरेसी फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशनः बिल्डिंग द फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल एंड पीसफुल सोसायटीज) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी।

बहरहाल, भारत हो या दुनिया के अन्य देश, गरीबी मिटाना, बाल मृत्यु दर कम करना, जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना आदि समस्याओं के समूल विनाश के लिए सभी देशों का पूर्ण साक्षर होना बेहद जरूरी है। दरअसल साक्षरता ही सामाजिक विकास का आधार स्तंभ बन सकती है। साक्षरता में ही वह क्षमता है, जो परिवार और देश की प्रतिष्ठा बढ़ा सकती है। आंकड़े देखें तो दुनिया में 100 से भी अधिक देश अभी भी ऐसे हैं, जो पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य से अभी दूर हैं और चिंता की बात है कि भारत भी इनमें शामिल है। हालांकि आजादी के बाद देश में साक्षरता दर काफी तेजी से बढ़ी है लेकिन अभी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

भाजपा कार्यालय में जिलाप्रभारी राजीव सिसोदिया का स्वागत, सेवा संकल्प अभियान पर हुई कार्यशाला

अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय अमरोहा पर जिला प्रभारी राजीव सिसोदिया के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनने पर हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने अंगवस्त्र व पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके उपरांत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे सेवा और समर्पण-सेवा संकल्प अभियान को लेकर जिला कार्यशाला बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठनात्मक विषयों, अभियान की रूपरेखा एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी राजीव सिसोदिया, जिलाध्यक्ष उदयगिरी गोस्वामी सहित जिले के जनप्रतिनिधि व पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

आदमपुर में ग्राम पंचायत सचिव ने कराई साफ सफाई

आदमपुर/अमरोहा (सब का सपना):- ग्राम पंचायत आदमपुर में रविवार को ग्राम पंचायत सचिव के नेतृत्व में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान सचिव द्वारा गांव की मुख्य गलियों, नालियों तथा सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई कराई गई। ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए सचिव ने कहा कि स्वच्छ गांव ही स्वस्थ गांव की पहचान है, इसलिए सभी ग्रामीण स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। साफ-सफाई होते देख ग्रामीणों ने सचिव के इस कार्य की सराहना की। इस मौके पर ग्राम प्रधान सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

राष्ट्र सेवी संगठन की बैठकमें कार्यकताओं को सामाजिक समरसता का पढ़ाया पाठ

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्र सेवी संगठन की एक बैठक तहसील हसनपुर क्षेत्र के ग्राम भदौरा में सतवीर सिंह की बैठक पर आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए समाज में आपसी भेदभाव भूलकर संगठित रूप से सद्भाव पूर्वक रहते हुए समाज व राष्ट्र हित में कार्य करने की अपील की। बैठक में क्षेत्रीय समस्याओं पर भी चर्चा की गई।

बताया गया कि हसनपुर से भदौरा होकर बेगपुर मुंडा तक जाने वाला मार्ग पूरी तरह जर्जर हो चुका है, जगह-जगह नुकीले पत्थर व गड्ढे बने हुए हैं, जिसका अतिशीघ्र चौड़ीकरण कर पुनर्निर्माण कराया जाए। साथ ही ग्राम भदौरा में बंदरों के आतंक से ग्रामीण परेशान हैं,
उन्हें पकड़वाकर दूर भिजवाने तथा क्षेत्र के गांवों में सुबह-शाम बिजली सप्लाई सुनिश्चित करने की मांग की गई। इस अवसर पर अशोक कुमार, सतवीर सिंह, वीर सिंह, डंबर सिंह, जयवीर सैनी, प्रमोद कुमार, राजेश सैनी, तेजपाल सैनी, नागेन्द्र सिंह, ओंकार, जगदीश, धर्मपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

गजरौला में शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म का मामला,दो बार गर्भवती होने पर दवा खिलाकर गर्भपात कराने का आरोप

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला क्षेत्र में एक युवती के साथ एक युवक द्वारा शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवक ने युवती को शादी का झांसा देकर 2 साल तक दुष्कर्म किया युवती का यह भी आरोप है कि उसके दो बार गर्भवती होने पर युवक द्वारा उसे दवा खिलाकर गर्भपात कराया गया। इस मामले में पुलिस ने युवती की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। बता दें कि गजरौला थाना क्षेत्र में एक युवती ने रजबपुर थाना क्षेत्र के युवक पर शादी का वादा कर दो साल तक दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। युवती का कहना है कि आरोपी उसे मिलने के बहाने अलग-अलग होटलों और गेस्ट हाउस में बुलाता था। इस दौरान वह दो बार

गर्भवती हुई। आरोप है कि युवक ने ठंडे पेय में दवा मिलाकर उसे पिला दी, जिससे उसका गर्भपात हो गया। शिकायत के बाद पुलिस ने युवक समेत उसके माता-पिता और भाई के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीड़िता के मुताबिक, पिछले दो साल से उसका कोमल नाम के युवक से प्रेम संबंध था। युवक ने उससे शादी करने का भरोसा दिया था। इसी भरोसे पर वह उसके साथ मिलती रही। आरोप है कि युवक कभी होटल तो कभी गेस्ट हाउस में मिलने के लिए बुलाता और वहां उसके साथ दुष्कर्म करता था। इनमें एक होटल भाजपा नेता का भी बताया जा रहा है।युवती का कहना है कि जब उसने कोमल पर शादी के लिए दबाव बनाया तो वह बात टालने लगा। इसी दौरान वह दो बार गर्भवती हुई। आरोप है कि दोनों बार कोमल ने ठंडे पेय में दवा मिलाकर उसे पिला दी, जिससे उसका गर्भपात हो गया। इसके बाद भी युवक शादी करने के लिए तैयार नहीं हुआ।पीड़िता ने बताया कि उसने कोमल के माता-पिता हरि सिंह और मिथलेश तथा भाई कौशल से शिकायत की। आरोप है कि तीनों ने उसके साथ मारपीट की। युवती का कहना है कि जब उसने दोबारा शादी की बात उठाई तो उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई।

युवती की शिकायत पर पुलिस ने कोमल, हरि सिंह, मिथलेश और कौशल के खिलाफ केस दर्ज किया है। सीओ अंजलि कटारिया ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सभी आरोपों की जांच कर रही है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

धनौरा में भाकियू (टिकैत) की ब्लॉक स्तरीय पंचायत,गन्ना भुगतान, बिजली,ग्रामीण विकास व उद्यान योजना से जुड़े मुद्दों पर होगी विशेष चर्चा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की ब्लॉक स्तरीय पंचायत का आयोजन आज दोपहर को कराया जाएगा। इस संबंध में संगठन के पदाधिकारियों ने उप जिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे को सोमवार को एक ज्ञापन के माध्यम से जानकारी प्रेषित की और मौके पर संबंधित विभागों के समस्त अधिकारियों की मौजूदगी की मांग की। बता दें कि संगठन की तरफ से गन्ना समिति धनौरा के सचिव, डींगरा बिजली घर के जेई, धनौरा ब्लॉक के बीडीओ और जिला उद्यान अधिकारी को पंचायत में बुलाने की मांग की गई

है। पंचायत में गन्ना भुगतान ,बिजली आपूर्ति, ग्रामीण विकास कार्यों और उद्यान योजनाओं से जुड़े किसानों के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। संगठन का कहना है कि संबंधित विभागों के अधिकारी किसानों की समस्याओं से सीधे अवगत हो सकेंगे। पंचायत के दौरान गन्ना भुगतान ,बिजली सप्लाई, ग्रामीण विकास कार्य और औधानिक योजनाओं से जुड़े विषयों पर विशेष चर्चा की जाएगी ।भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों के अनुसार किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों के सामने मुद्दे रखे जाएंगे। भारतीय किसान यूनियन प्रशासन को पंचायत में अधिकारियों की मौजूदगी सुनिश्चित करने की मांग की है। संगठन ने ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया है कि अधिकारी से समय पर पंचायत स्थल पर मौजूद रहे ।संगठन ने अधिकारियों के समय पर न पहुंचने की स्थिति में आंदोलन करने की भी बात कही है। इस संबंध में सोमवार को एसडीएम शैलेश कुमार दुबे को सौंप गए ज्ञापन के दौरान मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष चीमा ,तहसील अध्यक्ष देशराज सिंह ,मीडिया प्रभारी व बोबी चाहल सहित संगठन के कई अन्य किसान नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गजरौला के तिगरी गंगा धाम इलाके में 4 फीट तक भरा पानी,पुरोहित की झोपड़ियां जलमग्न,किसानों की चिंता बढ़ी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- इन दिनों पहाड़ी इलाकों में हो रही लगातार बारिश के चलते उसका असर मैदानी इलाकों में साफ दिखाई दे रहा है। जिसके चलते अमरोहा जनपद में बह रही नदियों ने अपना रूद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। सोमवार को उसी का असर गंगा धाम तिगरी में भी देखने को मिला।इस दौरान बाढ खंड विभाग के अधिकारियों ने सोमवार को तिगरी गंगा का जलस्तर 200.65 सेंटीमीटर दर्ज किया जबकि उससे एक दिन पहले गंगा काजलस्तर 200.70 सेंटीमीटर दर्ज किया गया था। गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ने से तिगरी घाट एवं आसपास के क्षेत्रों में करीब चार फीट तक पानी भरा हुआ है घाटों पर पुरोहितों की झोपड़ियां पूरी तरह से डूबीं हुईं हैं वहीं क्षेत्रीय किसानों की इस समस्या को देखते हुए चिंताएं बढ़ी हुई है। बता दें कि हरिद्वार और बिजनौर बैराज से रोजाना गंगा नदी में बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। सोमवार को हरिद्वार बैराज से 118871 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। बिजनौर बैराज से 132811 क्यूसेक पानी गंगा नदी में डिस्चार्ज किया गया।हालांकि, पिछले दिन के मुकाबले सोमवार को गंगा का जलस्तर 5 सेंटीमीटर कम हुआ है। इसके बावजूद गांव ओसीताजगदेपुर के खेतों में अब भी पानी भरा है। चार गांवों के किसानों की सैकड़ों बीघा फसल पानी में डूब गई है। ग्रामीणों को पशुओं के लिए चारा लाने में काफी परेशानी हो रही है। किसान पानी के बीच से गुजरकर अपनी फसल काट रहे हैं।बाढ़ खंड तिगरी के जेई सुभाष कुमार ने बताया कि गंगा का जलस्तर पिछले कई दिनों से घट-बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गंगा अभी खतरे के निशान से काफी दूर है। बाढ़ जैसी स्थितियों से निपटने के लिए पूरे इंतजाम किए गए हैं। जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है।

किसानों की समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट पर गरजी भाकियू शंकर

केसीसी की सीमा पांच लाख करने, गन्ना मूल्य 700 रुपये कुंतल घोषित करने और मध्य गंगा नहर में पानी छोड़ने की मांग

अमरोहा (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन शंकर ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। धरने की अध्यक्षता चौधरी विक्रम पवार ने तथा संचालन मास्टर सत्यवीर सिंह ने किया। बड़ी संख्या में किसानों ने पहुंचकर अपनी समस्याओं के समाधान की आवाज बुलंद की। बता दें कि इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने का संकल्प लिया था, लेकिन कृषि लागत, कर्ज, सिंचाई और बिजली की बढ़ती समस्याओं के कारण किसान की आर्थिक स्थिति अपेक्षित रूप से मजबूत नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि किसान हित में सरकार को इन समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर ठोस निर्णय लेने होंगे।उन्होंने किसान क्रे अधिकारियों ने धरना स्थल पर पहुंचकर सुनी समस्याएं डिट कार्ड की सीमा पांच लाख रुपये किए जाने की मांग करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में इसकी घोषणा के बावजूद किसानों को इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने केसीसी की पांच लाख रुपये की सीमा तत्काल प्रभाव से लागू करने की मांग की।उन्होंने कहा कि अमरोहा जनपद गठन के लगभग 28 वर्ष बाद भी अमरोहा विकास प्राधिकरण एवं जिला सहकारी बैंक के बोर्ड का गठन नहीं हो पाया है। दोनों संस्थाओं का गठन शीघ्र कराया जाना चाहिए।जिलाध्यक्ष चौधरी नेमपाल सिंह ने कहा कि करीब 15 वर्षों से निमार्णाधीन मध्य गंगा नहर फेज-2 में आज तक पारदर्शी रोस्टर जारी नहीं हुआ है और न ही टेल एवं अल्पिका तक पर्याप्त पानी पहुंच रहा है। किसानों को सिंचाई के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने डिडौली क्षेत्र में 132 केवी विद्युत केंद्र स्थापित करने, जर्जर विद्युत लाइनों एवं ट्रांसफार्मरों को बदलने तथा ओवरलोड ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने की मांग की।राष्ट्रीय प्रवक्ता मास्टर सत्यवीर सिंह ने वर्तमान पेराई सत्र के लिए गन्ने का मूल्य 700 रुपये प्रति कुंतल घोषित करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि पात्र परिवारों के राशन कार्ड काटे जाने की शिकायतों की जांच कराकर अपात्र कार्ड निरस्त तथा पात्र परिवारों के राशन कार्ड और यूनिट तत्काल बहाल किए जाएं।उन्होंने ब्रजघाट-मुरादाबाद सर्विस रोड सहित रजापुर, काफूरपुर, चांदनगर, धतौड़ा, कोलरिया और जनपद की अन्य जर्जर सड़कों के पुनर्निर्माण की मांग भी उठाई। इसके अलावा गजरौला में ट्रामा सेंटर, तिगरी धाम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने, विद्युत उप डाकघर की स्थापना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में वायरल फीवर की रोकथाम के लिए पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था और फॉगिंग कराने की मांग की गई।दोपहर करीब दो बजे विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि धरना स्थल पर पहुंचे। डीएफओ प्रतिनिधि/रेंजर, गन्ना विभाग से डीसीओ प्रतिनिधि जितेंद्र कुमार, पशुपालन विभाग से डॉ. रामवीर सिंह, सीएमओ प्रतिनिधि डॉ. जावेद, विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता एवं उपखंड अधिकारी, कृषि विभाग से प्रदीप कुमार, मध्य गंगा नहर के नोडल अधिकारी एम.के. सिंह, उद्योग विभाग से आलोक प्रताप तथा पीडब्ल्यूडी से दिनेश कुमार एवं नीरज कुमार ने किसानों से संवाद किया।अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं को बिंदुवार सुना और उनके निस्तारण का आश्वासन दिया। इसके बाद जिलाधिकारी से दूरभाष पर हुई वार्ता में भी समस्याओं के शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया गया। आश्वासन के बाद भाकियू शंकर ने धरना स्थगित कर दिया।संगठन ने चेतावनी दी कि तय समय में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो किसानों के हित में पुनः आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। धरने में सतेंद्र सिंह, आफताब एहसान जितेंद्र सिंह कैप्टन सुरेंद्र सिंह मनजीत सिंह एडवोकेट अमित कुमार मनोज कुमार जी रवि और पप्पू प्रधान राहुल कुमार जगतवीर, मा जगत सिंह चौहान, मौजी रामपाल, सतवीर सिंह, वीरपाल सिंह, रविपाल सिंह, कैप्टन वीर सिंह चौहान, बबीता रानी, शिमला चौहान, नीतू रानी, मंजू शर्मा, राजेंद्री देवी, शेर सिंह राणा, चौधरी वीरेंद्र सिंह, हरवती, गंभीर सिंह सैनी, महिपाल सिंह प्रधान सहित हजारों किसान मौजूद रहे।

तहसील धनौरा में सर्किल रेट की पुनरीक्षित दरों के संबंध में प्राप्त आपत्तियों की हुई सुनवाई

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश स्टाम्प (सम्पत्ति का मूल्यांकन) नियमावली, 1997 एवं उत्तर प्रदेश स्टाम्प (सम्पत्ति का मूल्यांकन) (द्वितीय संशोधन) नियमावली-2013 तथा (तृतीय संशोधन) नियमावली-2015 के अंतर्गत निर्धारित व्यवस्था के अनुसार जनपद की समस्त तहसीलों से संबंधित मूल्यांकन सूची की पुनरीक्षित दरें निर्धारित किए जाने की कार्यवाही के क्रम में समिति का गठन किया गया था। समिति के प्रस्ताव के आधार पर प्रस्तावित मूल्यांकन सूची पर तहसीलवार प्राप्त आपत्तियों की सुनवाई की जा रही है। इसी क्रम में

आज 07 सितंबर 2026 को जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में तहसील सभागार, धनौरा में तहसील धनौरा से संबंधित प्राप्त आपत्तियों की सुनवाई की गई। सुनवाई अपराह्न 12:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक चली। तहसील धनौरा में प्रस्तावित मूल्यांकन सूची के संबंध में सर्वाधिक 256 आपत्तियां प्राप्त हुई थीं। सुनवाई के दौरान उपस्थित सभी आपत्तिकताओं को व्यक्तिगत रूप से सुना गया तथा उनकी आपत्तियों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही से उन्हें अवगत कराया गया। इसके साथ ही किसान संगठनों, बार एसोसिएशन/अधिवक्तागण एवं प्रबुद्धजनों से भी वार्ता की गई तथा उनकी ओर से प्रस्तुत आपत्तियों एवं सुझावों पर नियमानुसार समाधान किए जाने के संबंध में आश्वस्त किया गया। सुनवाई के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, सहायक महानिरीक्षक निबंधन अमरोहा, उप जिलाधिकारी धनौरा, उप निबंधक धनौरा एवं तहसीलदार धनौरा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

यूपी-बिहार के बीच कनेक्टिविटी के लिए बढ़ेंगी बस सेवाएं, नए रास्तों से होगा आवागमन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश और बिहार के बीच आवागमन को और सुगम बनाने के लिए जल्द ही 14 नए बस मार्गों पर बस सेवाएं शुरू की जाएंगी। इसके लिए दोनों राज्यों के परिवहन विभाग और राज्य परिवहन निगम आपसी समन्वय से प्रस्तावित मार्गों का परीक्षण करेंगे। नए बने हाईवे को भी बस सेवा से जोड़ने के लिए दूसरे चरण में बैठक होगी। सोमवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और बिहार के परिवहन मंत्री दामोदर रावत की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह सहमति बनी। बैठक में वर्ष 2016 से प्रभावी उत्तर प्रदेश-बिहार अंतरराज्यीय परिवहन करार की भी समीक्षा की गई। इस करार को इस वर्ष मई में विस्तार दिया गया था। करार में शामिल 25 मार्गों पर बस

संचालन की मौजूदा स्थिति पर दोनों पक्षों ने विस्तार से चर्चा की। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम ने बिहार के विभिन्न जिलों से उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों के लिए बस सेवा शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा। बिहार सरकार जल्द ही अनुरोधित सभी मार्गों का मानचित्र सहित विवरण उत्तर प्रदेश को उपलब्ध कराएगी। इसके बाद मार्गों का परीक्षण कर नियमानुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी। बिहार के परिवहन मंत्री ने आग्रह किया कि अयोध्या को सीतामढ़ी से व गया को जोड़ने को लेकर भी योजना पर कार्य किया जाना चाहिए। साथ ही बहुत से लोग बैजनाथ व गंगासागर की भी यात्रा करते हैं, ऐसे में इन्हें भी परिवहन सेवा की कनेक्टिविटी से जोड़ने पर विचार किया जाना चाहिए। यह भी बताया कि बिहार सरकार बौद्ध सर्किट और सीतामढ़ी तीर्थस्थल के विकास पर कार्य कर रही है। नए हाईवे के अनुसार तय होंगे मार्ग पिछले कुछ वर्षों में दोनों प्रदेशों में कई नए हाईवे बने हैं। इन्हें भी बस सेवा से जोड़ने के लिए नए मार्गों का निर्धारण किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही दूसरे चरण की आधिकारिक बैठक आयोजित की जाएगी। साथ ही पुराने और प्रस्तावित मार्गों का दोबारा परीक्षण कर समान किलोमीटर के आधार पर परिवहन करार करने पर भी सहमति बनी। बस किराये में एकरूपता पर जोर दोनों राज्यों की बसों में किराये के निर्धारण में एकरूपता लाने पर भी सहमति बनी।

अग्रवाल समाज अमरोहा के नए अध्यक्ष बने संजय कुमार अग्रवाल

अमरोहा (सब का सपना):- अग्रवाल समाज अमरोहा के महत्वपूर्ण कार्यक्रम में समाज के नए पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। कार्यक्रम मधुरम बैंक्वेट हॉल, बिजनौर रोड, अमरोहा में आयोजित हुआ। इस अवसर पर अग्रवाल समाज अमरोहा के नए अध्यक्ष के रूप में संजय कुमार अग्रवाल तथा संरक्षक के रूप में अतुल गुप्ता को सर्वसम्मति से चुना गया। पूरे समाज ने नए नेतृत्व का स्वागत किया और समाज की उन्नति के लिए सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष विशाल गर्ग, संरक्षक शंभू दयाल अग्रवाल, महामंत्री आकाश गोयल, कोषाध्यक्ष अचल अग्रवाल तथा संयोजक डॉ. सरल राघव जी की गरिमामय उपस्थिति रही। इसके

अतिरिक्त मनोज गोयल, सुशील गोयल, विवेक अग्रवाल, कमल अग्रवाल, परवीन अग्रवाल, दीपक मित्तल, रामगोपाल अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, डॉ. बी.आर. गर्ग, गौरव गोयल, आशीष गोयल, शार्दुल अग्रवाल, अनुज गोयल, सचिन गोयल, डॉ. अनिल रायपुरिया, प्रवेश अग्रवाल, अमित मोहन गोयल, आयुष गोयल, मनुज गोयल, दीपक बंसल, रचित गोयल, सुलभ अग्रवाल, अनुपम अग्रवाल, डॉ. पवन गर्ग, मनोज अग्रवाल, अनुभव गोयल, सिद्धार्थ अग्रवाल, हिरदेश गोयल, वरुण गुप्ता, अक्षय अग्रवाल सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। नए अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल ने समाज की एकता, शिक्षा, सामाजिक सद्भाव और युवाओं के उत्थान पर विशेष ध्यान देने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में सभी उपस्थित सदस्यों ने नए पदाधिकारियों को बधाई दी और समाज की निरंतर प्रगति की कामना की।

4 सब का सपना हिंदी दैनिक

हरियाणा/फतेहपुर

अमरोहा
मंगलवार 08 सितंबर 2026
www.sabkasapna.com

दिल्ली की बैठक से चरणजीत चन्नी दूर, पंजाब कांग्रेस में सियासी हलचल तेज; सचिन पायलट अगले हफ्ते पंजाब दौरे पर

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में प्रदेश प्रभारी बदलने के बाद संगठन के भीतर सियासी हलचल तेज हो गई है। सोमवार को नई दिल्ली में कांग्रेस हाईकमान की ओर से देशभर के कांग्रेस सांसदों की बुलाई गई बैठक में पंजाब से पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद चरणजीत सिंह चन्नी को भी शामिल होना था, लेकिन वह बैठक में नहीं पहुंचे। वहीं, सांसद डॉ. अमर सिंह ने बैठक में हिस्सा लिया। चन्नी की बैठक से दूरी ने एक बार फिर पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी और हाईकमान के साथ उनके संबंधों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। खास बात यह रही कि बैठक के बाद कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ भी नेताओं की बैठक प्रस्तावित थी।पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी ऐसे में चन्नी के पहली ही बैठक में नहीं पहुंचने को राजनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं सांसद डॉ. अमर सिंह ने बैठक में हिस्सा लिया। चन्नी की बैठक से दूरी ने एक बार फिर पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी और हाईकमान के साथ उनके संबंधों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।खास बात यह रही कि बैठक के बाद कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ भी नेताओं की बैठक प्रस्तावित थी। ऐसे में चन्नी के पहली ही बैठक में नहीं पहुंचने को राजनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, कांग्रेस की ओर से चन्नी के बैठक में शामिल नहीं होने को लेकर आधिकारिक तौर पर कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। दिल्ली की

बैठक में नहीं पहुंच सके

बताया जा रहा है कि सोमवार को कांग्रेस की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से जुड़े शुद्धिकरण विवाद को लेकर पंजाब के विभिन्न जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन और बैठकें आयोजित की गई थीं। चन्नी ने जालंधर में आयोजित कांग्रेस के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। ऐसे में पार्टी के भीतर यह चर्चा भी है कि जालंधर के कार्यक्रम में व्यस्तता के कारण वह दिल्ली की बैठक में नहीं पहुंच सके। बावजूद इसके, उनके दिल्ली बैठक से नदारद रहने को लेकर राजनीतिक चचाएं तेज हैं। दूसरी ओर पंजाब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने सोमवार को नई दिल्ली में पंजाब कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी सचिन पायलट से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच पंजाब कांग्रेस और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। वड़िंग ने बताया कि पायलट के साथ उनकी विस्तृत बातचीत हुई है और नए प्रभारी जल्द ही पंजाब का दौरा करेंगे।

चन्नी की अभी तक पायलट से मुलाकात नहीं

पायलट की नियुक्ति के बाद वड़िंग की उनसे यह मुलाकात इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि कांग्रेस हाईकमान अब पंजाब संगठन को चुनावी मोड में लाने की तैयारी में है। वहीं चन्नी की अभी तक पायलट से मुलाकात नहीं हुई है।

ऐसे में एक तरफ प्रदेश अध्यक्ष नए प्रभारी के साथ संगठन और चुनावी रणनीति पर चर्चा कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ चन्नी का दिल्ली की महत्वपूर्ण बैठक से दूर रहना पार्टी के भीतर अलग-अलग राजनीतिक समीकरणों की चर्चा को हवा दे रहा है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि सचिन पायलट की पंजाब में नई जिम्मेदारी के बाद क्या वड़िंग और चन्नी के बीच मतभेद कम होंगे? साथ ही राहुल गांधी के प्रस्तावित पंजाब दौरे से पहले क्या कांग्रेस के सभी प्रमुख नेता एक मंच पर नजर आएंगे? हाईकमान की ओर से संगठन को लेकर आने वाले दिनों में लिए जाने वाले फैसलों पर भी पंजाब कांग्रेस की निगाहें टिकी हुई हैं।

चंडीगढ़ में 14 सितंबर तक सरोवर पथ एकतरफा ट्रैफिक रहेगा बंद, वैकल्पिक मार्गों से गुजरने की अपील

चंडीगढ़। शहर में सरोवर पथ (वी-3 रोड) पर 14 सितंबर तक एकतरफा ट्रैफिक बंद रहेगा। सेक्टर-50 और 51 की ओर सड़क के रीकार्पेटिंग वर्क के चलते यह फैसला लिया गया है। इस मार्ग पर यातायात प्रभावित होने की संभावना है। प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे ट्रैफिक जाम से बचने के लिए इस दौरान वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें। सड़क के जिस हिस्से में काम चल रहा है, वहां से गुजरते समय वाहन चालक विशेष सावधानी बरतें और वाहनों की गति धीमी रखें। रीकार्पेटिंग वर्क पूरा होने के बाद सरोवर पथ की सड़क की स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है। प्रशासन ने लोगों से निर्माण कार्य के दौरान सहयोग करने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

लुधियाना में बुजुर्ग महिला से बालियां झपट रहा था बाइक सवार, शोर मचाते ही लोगों ने दबोचा, जमकर हुई धुनाई

लुधियाना। लुधियाना के शिमलापुरी इलाके में बाइक सवार बदमाश ने एक बुजुर्ग महिला के कानों की बालियां झपटने की कोशिश की। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और आरोपित को पकड़ लिया। लोगों ने आरोपित की पिटाई करने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं, हजूरी बाग कॉलोनी में बाइक सवार बदमाश एक महिला से पर्स छीनकर फरार हो गया। दोनों घटनाएं सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई हैं। पहली घटना शिमलापुरी की मंडी वाली गली में मेड़ की चक्की के पास की है। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, छह सितंबर को काले रंग की शर्ट पहना एक युवक बाइक पर सवार होकर गली में पहुंचा। इसी दौरान उसे एक बुजुर्ग महिला बच्चे के साथ वहां से गुजरती दिखाई दी।शोर सुनते ही लोग पहुंचे, पकड़ा स्नैचर बाइक सवार युवक महिला के पास पहुंचा और उससे पता पूछने लगा। महिला जैसे ही उससे बातचीत करने लगी, युवक ने अचानक उसके कानों की बालियां झपटने की कोशिश की। महिला ने तुरंत शोर मचा दिया। आवाज सुनकर आसपास के लोग वहां पहुंच गए।लोगों को आता देख आरोपित बाइक लेकर भागने लगा। इसी दौरान महिला और आरोपित के बीच झड़प हो गई, जिससे बाइक का संतुलन बिगड़ गया। पीछे से पहुंचे लोगों ने आरोपित को दबोच लिया। इसके बाद उसकी पिटाई की गई और पुलिस को सूचना देकर उसे सौंप दिया गया।दूसरी महिला से पर्स छीना दूसरी घटना हजूरी बाग कॉलोनी में हुई। यहां बाइक सवार बदमाश एक महिला से पर्स छीनकर फरार हो गया। वारदात के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सामने आई है। पुलिस दोनों घटनाओं की फुटेज खंगालकर आरोपितों की पहचान करने में जुटी है। एक घटना में आरोपित के पकड़े जाने के बाद पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य तथ्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

पंजाब में मां ने पहले दोनों बच्चों को दिया धक्का, फिर खुद वाटर वर्क्स के स्टोरेज टैंक में कूदकर दी जान

मानसा। जिले के गांव भम्मे खुर्द में एक प्रवासी महिला की ओर से वाटर वर्क्स की पानी की टंकी में अपने दो बच्चों को धक्का देकर और फिर खुद कूदकर आत्महत्या कर ली। उसने आत्महत्या क्यों की, इसका कारण अभी पता नहीं चला है। यह प्रवासी मजदूर परिवार राजस्थान के हनुमानगढ़ के गांव गुगा मैड़ी से आया था और भम्मे खुर्द गांव में गायों की देखभाल का काम करता था। थाना झुनीर पुलिस ने तीनों की लाशों को कब्जे में लेने के बाद पोस्टमार्टम के लिए उनको सिविल अस्पताल भेजने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतकों का मंगलवार को पोस्टमार्टम होगा। जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर भम्मे खुर्द गांव में प्रवासी महिला संतरो देवी (37) अपने पति दिलीप कुमार, बेटी सकीना (9), बेटे अजय (7) और

एक अन्य बच्चे के साथ बटर वर्क्स की पानी की टंकी के पास पहुंची।

बताया जा रहा है कि पहले संतरो देवी ने अपनी बेटी सुनील और बेटे अजय को टंकी में धक्का दिया। जब उसने तीसरे बेटे का हाथ पकड़कर उसे भी टंकी में फेंकने की कोशिश की, तो वह अपनी मां का हाथ छुड़ाकर वहां से भाग निकला। उसने गांव में जाकर शोर मचा दिया। जिसके बाद ग्रामीणों ने उन्हें पानी की टंकी से बाहर निकाला, तो संतरे देवी और उनके दो बच्चे मृत पाए गए। थाना झुनीर इंचार्ज भूपिंदरजीत सिंह ने बताया कि पानी में डूबने से एक महिला और उसके दो बच्चों की मौत हो गई। उसने ऐसा क्यों किया, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

एआई डॉक्टरों की जगह नहीं लेगा, इलाज को अधिक प्रभावी बनाएगा'; चंडीगढ़ पीजीआई के फाउंडेशन डे पर बड़ा संदेश

चंडीगढ़। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा बदलाव ला सकता है, लेकिन इसका उद्देश्य डॉक्टरों की जगह लेना नहीं, बल्कि उनकी क्षमता बढ़ाना होना चाहिए। एआई की मदद से डाक्टर मरीज की मेडिकल रिपोर्ट, पैथोलाजी रिपोर्ट और शोध से जुड़ी बड़ी मात्रा में जानकारी कम समय में समझकर इलाज को और प्रभावी बना सकते हैं। यह बात बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने सोमवार को पीजीआई के 63वें स्थापना दिवस समारोह में कही। कुलपति ने कहा कि एआई स्वास्थ्य क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा कर रहा है। इसका सही इस्तेमाल डॉक्टरों को बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकता है। मरीज से जुड़ी विभिन्न रिपोर्ट और उपलब्ध मेडिकल जानकारी को कम

समय में समझने में एआइ उपयोगी साबित हो सकता है।हालांकि अंतिम निर्णय और मरीज के उपचार में डॉक्टर की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने पीजीआई को देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संपत्ति बताया। उन्होंने कहा कि संस्थान ने चिकित्सा उपचार, शिक्षा और शोध के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। बदलती स्वास्थ्य जरूरतों के साथ तकनीक और आधुनिक संसाधनों का इस्तेमाल जरूरी है।

पीजीआई निदेशक प्रो. विवेक लाल ने संस्थान की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एडवांस्ड मदर एंड चाइल्ड सेंटर और एडवांस्ड न्यूरोसाइंस सेंटर शुरू होने से संस्थान में करीब 800 बेड की क्षमता बढ़ी है। पहले पीजीआई में करीब 2200 बेड थे, जो अब बढ़कर करीब 3000 हो गए हैं। उन्होंने कहा कि नए केंद्र शुरू होने से मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

पंचकूला में दुष्कर्मी को 20 साल की सजा, किशोरी से दोस्ती बढ़ाई और फिर की घिनौनी हरकत

पंचकूला। किशोरी को डरा-धमकाकर दुष्कर्म के करीब डेढ़ साल पुराने मामले में पंचकूला जिला अदालत ने दोषी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट ने दोषी पर 50 हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया है। कालका निवासी 25 वर्षीय विशाल कुमार के खिलाफ तीन अप्रैल 2025 को पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। शिकायत के अनुसार, किशोरी की स्कूल जाते समय विशाल से जान-पहचान हुई थी। विशाल ने बातचीत बढ़ाकर उससे दोस्ती की।10 दिसंबर 2024 को विशाल ने पीड़िता को अपने घर बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद नए साल पर भी किशोरी को मिलने बुलाया। अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दोबारा दुष्कर्म किया। घटना के कुछ दिन बाद पीड़िता के पेट में दर्द हुआ। उसे कालका अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उसके गर्भवती होने की जानकारी दी। इसके बाद पीड़िता ने परिवार को मामले की जानकारी दी और आरोपित के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी।

राखी के बाद अचानक गिरे चीनी के दाम! जानिए पंजाब के किस शहर में मिल रही है सबसे सस्ती चीनी

पंजाब टीम। राखी से पहले तेजी के बाद अब चीनी के दाम दोबारा नीचे आने लगे हैं। कुछ समय पहले पंजाब में चीनी का खुदरा भाव 68 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया था। इसके चलते मिठाई की कीमतों पर भी असर पड़ा और अलग-अलग मिठाइयों के दाम में करीब 20 से 50 रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी देखने को मिली थी। अब चीनी के भाव में नरमी आने से लोगों को कुछ राहत मिली है। शहरों के खुदरा बाजार में चीनी के दाम अलग-अलग बने हुए हैं। उपलब्ध आज के भाव के अनुसार फरीदकोट और लुधियाना में चीनी सबसे सस्ती मिल रही है। फरीदकोट में चीनी का भाव 58 से 60 रुपये प्रति किलो है, जबकि लुधियाना में 55 रुपये प्रति किलो के आसपास खुदरा भाव बताया जा रहा है। जालंधर के खुदरा बाजार में चीनी 57 रुपये प्रति किलो के भाव में मिल रही है। मोगा में भी चीनी का भाव 60 रुपये प्रति किलो है। फिरोजपुर में इसका खुदरा भाव 63 रुपये प्रति किलो बताया जा रहा है। श्री मुक्तसर साहिब में चीनी 62 रुपये प्रति किलो बिक रही है। अमृतसर और गुरदासपुर में इसका भाव 65 रुपये प्रति किलो है। तरनतारन में चीनी 67 रुपये प्रति किलो के भाव में मिल रही है। इस तरह उपलब्ध शहरवार भावों में सबसे अधिक कीमत तरनतारन में है, जबकि लुधियाना में चीनी सबसे कम भाव पर मिल रही है। राखी से पहले चीनी के दाम बढ़ने के कारण मिठाई कारोबारियों ने भी कीमतों में बढ़ोतरी की थी। अलग-अलग मिठाइयों में 20 से 50 रुपये प्रति किलो तक की वृद्धि हुई थी। अब चीनी के भाव में कमी आने से मिठाई की कीमतों पर भी राहत की उम्मीद है।

कबाड़ी मार्केट के पीछे गैस पाइपलाइन कार्य में लापरवाही, बिजली का पोल गिरने के कगार पर

फतेहपुर (सब का सपना):- कबाड़ी मार्केट के पीछे चल रहे गैस पाइपलाइन बिछाने के कार्य के दौरान ठेकेदार की मनमानी से बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बचा। गैस पाइपलाइन के लिए मनमाने तरीके से गड्ढा खोदने से वहां लगा बिजली का खंभा बुरी तरह झुक गया है और उसकी नींव से मिट्टी हट गई है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि खंभे पर दर्जनों बिजली के तार और स्ट्रीट लाइटें लदी हैं, और वह कभी भी गली में गिर सकता है।सबसे बड़ी लापरवाही यह है कि खंभा झुका

होने के बाद भी बिजली सप्लाई चालू रखी गई है। गली संकरी है और यहां दिनभर बच्चों और महिलाओं का आना-जाना लगा रहता है। स्थानीय लोगों ने जब गैस पाइपलाइन कर्मियों से इसकी शिकायत की तो उन्होंने लापरवाही भरा जवाब देते हुए कहा कि हमसे क्या मतलब,स्थानीय निवासियों ने बिजली विभाग और प्रशासन से मांग की है

कि तत्काल बिजली आपूर्ति बंद कर खंभे को ठीक किया जाए और गैस कंपनी के ठेकेदार के खिलाफ लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई जनहानि न हो।

जालंधर में कांग्रेस की रोष रैली में चन्नी के समर्थन में नारे, केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन; निकलेगा रोष मार्च

जालंधर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के मंच का शुद्धिकरण कर दलित समाज का अपमान करने और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के विरोध में जालंधर कांग्रेस ने सोमवार को केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। देश भगत यादगार हॉल में कांग्रेस की रोष रैली शुरू हो गई है। इसमें पूरे जिले से बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता पहुंचे हैं। रैली का नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री एवं जालंधर से सांसद चरणजीत सिंह चन्नी कर रहे हैं। पहले देश भगत यादगार हॉल में धरना दिया जा रहा है। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता शहर में रोष मार्च निकालेंगे। रैली में कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दोनों मुद्दों पर अपना विरोध दर्ज कराया।प्रदर्शन के दौरान चरणजीत

सिंह चन्नी के समर्थन में भी आवाज उठी। पार्टी के कई नेताओं ने उन्हें पंजाब का भावी मुख्यमंत्री बताते हुए उनके पक्ष में नारे लगाए। इससे पंजाब कांग्रेस में चन्नी के नेतृत्व को लेकर चल रही चचाओं को और बल मिला है। हालांकि, मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।कई वरिष्ठ नेता रैली में पहुंचे

मंच पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा विशेष रूप से मौजूद हैं। इसके अलावा विधायक परगट सिंह, विधायक हरदेव सिंह लाडी शेरोवालिया, जिला कांग्रेस प्रधान राजेंद्र बेरी, विधायक बावा हेनरी, सुखविंदर सिंह कोटली, पूर्व विधायक चौधरी सुरेंद्र सिंह, हलका प्रभारी सुरिंदर कौर और डॉ. नवजोत दहिया समेत कई वरिष्ठ नेता रैली में शामिल हुए हैं।दलित विरोधी मानसिकता का विरोध

कांग्रेस नेताओं ने मल्लिकार्जुन खड़गे के मंच का शुद्धिकरण किए जाने को दलित समाज का अपमान बताया। उन्होंने इसे भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता करार दिया। नेताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने को भी विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश बताया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से विपक्ष के नेताओं के खिलाफ की जा रही कार्रवाई का पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेगी। देश भगत यादगार हॉल में धरने के बाद शहर में रोष मार्च निकालकर विरोध दर्ज कराया जाएगा। रैली में कार्यकताओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के इंतजाम भी किए गए हैं।

खेल मैदान दिखाने के चक्कर में उड़ा ड्रोन! अमृतसर एयरपोर्ट पर रेड अलर्ट के कारण करनी पड़ी उड़ानें डायवर्ट

अमृतसर। अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार रात ड्रोन की संदिग्ध गतिविधि से हड़कंप मच गया। एयरपोर्ट के परिचालन क्षेत्र में दो से चार ड्रोन जैसे उड़ते हुए वस्तु दिखाई देने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। एहतियात के तौर पर अमृतसर आने वाली सात उड़ानों के मार्ग बदल दिए गए। हालांकि, अब इस मामले में नया तथ्य सामने आया है। पता चला है कि पास के रुडाला गांव में होने वाले टूर्नामेंट के लिए मैदान देखने के लिए स्थानीय लोगों की ओर से ड्रोन उड़ाया गया था। घटना रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है। रनवे के आसपास ड्रोन जैसी वस्तु दिखाई देने के बाद हवाई यातायात नियंत्रण ने तुरंत सुरक्षा अलर्ट जारी किया। सीमावर्ती क्षेत्र और एयरपोर्ट की संवेदनशीलता को देखते हुए किसी संभावित हमले या सुरक्षा खतरे की आशंका में विमानों को उतरने की अनुमति नहीं दी गई।7 उड़ाने हुईं प्रभावित इसके बाद अमृतसर आने वाली सात उड़ानों का मार्ग बदल दिया गया। कुआलालंपुर से आने वाली मलेशिया एयरलाइंस की उड़ान को दिल्ली भेजा गया। मुंबई और दिल्ली से आने वाली इंडिगो की दो उड़ानों को चंडीगढ़ भेजा गया। दिल्ली से अमृतसर आ रही एयर इंडिया की दो उड़ानों को वापस दिल्ली भेज दिया गया। शारजाह से आने वाली इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानों को भी दिल्ली भेजा गया।8 किमी तक ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी बताया जा रहा है कि जिस क्षेत्र में ड्रोन उड़ाया गया, वहां एयरपोर्ट के आसपास करीब आठ किलोमीटर के दायरे में ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी है। इसके बावजूद स्थानीय लोगों की ओर से ड्रोन उड़ाया गया। एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से ड्रोन दिखाई देने के बाद सुरक्षा एजेंसियों को इसकी सूचना दी गई। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान भी चलाया। प्रारंभिक जांच में मामला किसी हमले से जुड़ा होने के बजाय गांव में होने वाले टूर्नामेंट की तैयारियों से जुड़ा बताया जा रहा है।

पुलिस सुरक्षा के लिए खुद पर ही फेंका पेट्रोल बम! बठिंडा में फर्जी साजिश का हुआ पदार्फाश, दो आरोपी फरार

बठिंडा। पुलिस सुरक्षा हासिल करने के लिए अपने ही घर पर फर्जी पेट्रोल बम हमला करवाने के मामले में आठ दिन बाद भी दो आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। फरार आरोपियों में मामले का मुख्य आरोपी हरजीत सिंह उर्फ भाऊ का भाई रंजीत सिंह और वारदात को अंजाम देने का आरोपित अमृतपाल सिंह शामिल हैं। रंजीत सिंह ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। इस पर 9 सितंबर को सुनवाई होगी। थाना कैंट के एसएचओ दलजीत सिंह ने बताया कि दोनों फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। पुलिस उनकी संभावित ठिकानों पर दबिश देने के साथ तकनीकी जांच के आधार पर भी सुराग जुटा रही है।सुरक्षा हासिल करने के लिए करवाया हमला पुलिस जांच के अनुसार, भुच्चो खुर्द निवासी हरजीत सिंह और उसके भाई रंजीत सिंह ने सुरक्षा हासिल करने के लिए कथित तौर पर फर्जी हमले की साजिश रची थी। इसके लिए पहले मलेशिया में रह रहे एक रिश्तेदार के माध्यम से मोबाइल फोन पर धमकी भरे संदेश भेजे गए। इसके बाद तरनतारन के झबाल निवासी अनमोलप्रीत सिंह उर्फ मोला और अमृतपाल सिंह को कथित तौर पर करीब दो हजार रुपये में हमला करने के लिए तैयार किया गया।जांच में सामने आया कि 26 अगस्त की रात हमले की रिहर्सल भी करवाई गई थी। इसके लिए पहले पानी से भरी बोतल घर की तरफ फेंकी गई। इसके बाद पेट्रोल से भरी बोतल फेंककर वारदात को अंजाम दिया गया। अगले दिन 27 अगस्त को अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई गई।जांच में सामने आया सच मामले की जांच के दौरान पुलिस ने घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही तकनीकी जांच से मिले तथ्यों को भी जोड़ा गया। जांच आगे बढ़ने पर कथित साजिश का पदार्फाश हुआ और पुलिस ने मुख्य आरोपी हरजीत सिंह तथा अनमोलप्रीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया। अब रंजीत सिंह और अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है।

एक परिवार के कठिन दौर से दूसरे की दुनिया रोशन... 15 मिनट में पूरा होता है नेत्रदान; कैसे काम करता है आई बैंक?

लुधियाना। किसी व्यक्ति की मृत्यु के साथ एक परिवार के लिए जिंदगी का सबसे कठिन दौर शुरू होता है, लेकिन यही समय किसी दूसरे दृष्टिहीन व्यक्ति की दुनिया रोशन करने का अवसर भी बन सकता है। नेत्रदान में मृत्यु की सूचना मिलने के बाद हर मिनट महत्वपूर्ण होता है। अस्पताल प्रशासन, नर्सिंग स्टाफ, नेत्रदान समन्वयक, मृतक का परिवार और आई बैंक की टीम के बीच समयबद्ध समन्वय ही इस प्रक्रिया को सफल बनाता है। प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ तथा डॉ. रमेश सुपरस्पेशलिटी आई एंड लेजर सेंटर एवं पुनर्जोत आई बैंक सोसायटी के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. रमेश मंसूरा बताते हैं कि मौत के करीब छह घंटे के भीतर आंखें प्राप्त कर कॉर्निया को सुरक्षित करना जरूरी होता है।जितनी जल्दी कॉर्निया सुरक्षित कर लिया जाए, उसकी गुणवत्ता बनाए रखने की संभावना उतनी बेहतर होती है। आई बैंक तक पहुंचाता है शव आने की सूचना

अस्पताल में किसी मरीज की मृत्यु होने पर, यदि वहां नेत्रदान को लेकर समन्वय की व्यवस्था है तो संबंधित स्टाफ आई बैंक या नेत्रदान समन्वयक को सूचना देता है। कई मामलों में मोर्चरी स्टाफ भी दुर्घटना, सामान्य मृत्यु या अन्य परिस्थितियों में शव आने की सूचना आई बैंक तक पहुंचाता है।सूचना मिलने के

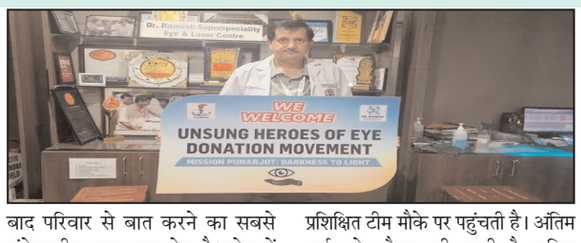

बाद परिवार से बात करने का सबसे संवेदनशील चरण शुरू होता है। शोक में डूबे परिवार को नेत्रदान के महत्व और पूरी प्रक्रिया के बारे में संवेदनशील तरीके से समझाया जाता है। परिवार की सहमति मिलने पर आवश्यक दस्तावेजों की जांच और सहमति पत्र की प्रक्रिया पूरी की जाती है। इसके बाद आई बैंक की प्रशिक्षित टीम मौके पर पहुंचती है। अंतिम दर्शन के दौरान की जाती है कृत्रिम व्यवस्था चिकित्सकीय प्रक्रिया में करीब 15 मिनट लगते हैं। मृतक की स्थिति और उम्र के अनुसार आंखों से आईबॉल या मुख्य रूप से कार्निया प्राप्त किया जाता है। साथ ही मृतक के ब्लड सैंपल भी लिए जाते हैं। प्रक्रिया के बाद मृतक के चेहरे की सामान्य आकृति को बनाए रखने के लिए कृत्रिम व्यवस्था की जाती है, जिससे अंतिम दर्शन के दौरान परिजनों को किसी तरह की असहजता न हो। आई बैंक पहुंचने के बाद वास्तविक चिकित्सकीय जांच का अगला चरण शुरू होता है।

आंख से कार्निया को अलग कर उसकी पारदर्शिता, सेल काउंट और गुणवत्ता की जांच की जाती है। रक्त नमूनों की जांच के माध्यम से एचआइवी, हेपेटाइटिस और अन्य गंभीर संक्रमणों जैसी स्थितियों को देखा जाता है। उपयुक्त पाए जाने वाले कार्निया को विशेष प्रिजर्वेशन मीडिया में सुरक्षित रखा जाता है। इसके बाद यह तय होता है कि कार्निया किस मरीज के लिए उपयुक्त होगा।

मरीज को नियमित फॉलोअप के लिए बुलाया जाता है

प्रत्यारोपण से पहले मरीज की आंख की स्थिति और उसे आवश्यक कार्निया के प्रकार का चिकित्सकीय मूल्यांकन किया जाता है। इसी आधार पर उपलब्ध कार्निया का चयन कर प्रत्यारोपण किया जाता है और मरीज को बाद में नियमित फालोअप के लिए बुलाया जाता है।

डा. रमेश मंसूरा बताते हैं कि वर्ष 2008 में स्थापित पुनर्जोत आई बैंक के माध्यम से अब तक करीब सात हजार कार्निया प्रत्यारोपण किए जा चुके हैं।

तेज रफ्तार ट्रक से बचने की कोशिश पड़ी भारी

युवा पत्रकार मोहम्मद वसीम हादसे में घायल, हाथ-पैर में फ्रैक्चर

बिजनौर (सब का सपना):- बुढ़नपुर निवासी युवा पत्रकार एवं समाजसेवी तथा राष्ट्रीय महासचिव पसअ मोहम्मद वसीम सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही उनके परिचितों, पत्रकार साथियों और शुभचिंतकों में चिंता की लहर दौड़ गई। सभी उनके जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं। बताया गया कि मोहम्मद वसीम स्कूटी से फीना मार्ग से गुजर रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज - रफ्तार में आ रहे एक ट्रक से बचने के प्रयास में उनकी स्कूटी अचानक - अनियंत्रित होकर फिसल गई। हादसे में वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में उनके हाथ और पैर में फ्रैक्चर होने की जानकारी - सामने आई है। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने उन्हें संभाला और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में भी चिंता का माहौल बन गया। पत्रकारिता और सामाजिक कार्यों से जुड़े मोहम्मद वसीम के घायल होने की खबर सुनकर उनके साथी और शुभचिंतक उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने में जुट गए। वहीं राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरबाज अंसारी तथा समस्त राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के पदाधिकारी कार्यकताओं ने मोहम्मद वसीम के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए उनके जल्द स्वस्थ होकर अपने सामाजिक एवं पत्रकारिता कार्यों में लौटने की दुआ की। परिवार और शुभचिंतकों ने भी लोगों से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करने की अपील की है।

झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर वसूली, पांच आरोपी गिरफ्तार

स्वाट, सर्विलांस व कोतवाली शहर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई; गिरोह का सरगना जुल्फेकार उर्फ बब्बू लंगड़ा बताया गया

बिजनौर (सब का सपना):- झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर रकम ऐंठने और मुकदमा वापस लेने के नाम पर अवैध वसूली करने वाले कथित गिरोह के खिलाफ बिजनौर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। स्वाट, सर्विलांस और थाना कोतवाली शहर पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरोह से जुड़े पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में जुल्फेकार उर्फ बब्बू लंगड़ा, अफजाल, गुड्डी, कुंती और प्रीति शामिल हैं। पुलिस ने जुल्फेकार उर्फ बब्बू लंगड़ा को गिरोह का मुख्य आरोपी बताया है। पुलिस के मुताबिक थाना कोतवाली शहर क्षेत्र निवासी मोहम्मद अहसान ने छह सितंबर को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि कुछ लोग उसे झूठे मुकदमे में फंसाने तथा मुकदमा वापस लेने के नाम पर रुपयों की मांग कर रहे हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को कथित रूप से एक संगठित गिरोह के सक्रिय होने की जानकारी मिली। पुलिस का दावा है कि गिरोह के सदस्य आपसी विवाद, पुरानी रंजिश और अन्य मामलों की जानकारी जुटाकर लोगों को निशाना बनाते थे। इसके बाद मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर उन पर दबाव बनाया जाता था। पुलिस के अनुसार गिरोह में शामिल कुछ सदस्य महिलाओं और अन्य सहयोगियों के माध्यम से अलग-अलग थानों और जनपदों में गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज करवाते थे। इसके बाद समझौता कराने अथवा मुकदमा वापस लेने के नाम पर कथित तौर पर पीड़ित पक्ष से अवैध आर्थिक लाभ लेने का दबाव बनाया जाता था। पुलिस जांच में गिरोह के खिलाफ बिजनौर और अमरोहा समेत अन्य जनपदों में भी मुकदमे दर्ज होने की जानकारी सामने आने की बात कही गई है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की पड़ताल कर रही है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक विवेचना के दौरान जिन अन्य आरोपियों की भूमिका सामने आएगी, उनके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पांच आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस पूरे नेटवर्क की तह तक पहुंचने में जुटी है। पुलिस का कहना है कि गिरोह से जुड़े अन्य लोगों पर भी जल्द कार्रवाई की जा सकती है।

धामपुर में ट्रेन की चपेट में आकर युवक की दर्दनाक मौत

धामपुर-नगीना रेल मार्ग पर संदिग्ध परिस्थितियों में हुआ हादसा, मृतक के पास मिला आधार कार्ड; पहचान के प्रयास में जुटी पुलिस

धामपुर (सब का सपना):- धामपुर-नगीना रेल मार्ग पर सोमवार को एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसा इतना भीषण था कि युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, रेल मार्ग पर युवक के ट्रेन की चपेट में आने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतक के पास से आधार कार्ड बरामद हुआ है, जिसके आधार पर उसकी पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। युवक किन परिस्थितियों में रेलवे ट्रैक पर पहुंचा और हादसा दुर्घटनावश हुआ अथवा इसके पीछे कोई अन्य वजह थी, पुलिस इसकी जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जानकारी मृतक के परिजनों तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

10 सितंबर को बिजनौर आएंगी राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर

विकास भवन में दोपहर 12 से 2 बजे तक होगी महिला जनसुनवाई, पीड़ित महिलाएं सीधे रख सकेंगी अपनी शिकायतें

बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली की अध्यक्ष विजया राहटकर 10 सितंबर 2026 को बिजनौर के दौरे पर आएंगी। अपने दौरे के दौरान वह विकास भवन सभागार में आयोजित महिला जनसुनवाई में पीड़ित महिलाओं की समस्याएं और शिकायतें सीधे सुनेंगी। जनसुनवाई दोपहर 12 बजे से अपराह्न 2 बजे तक चलेगी। जिला प्रोबेशन अधिकारी विमल कुमार चौबे ने बताया कि राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष के जनपद दौरे को लेकर जिला प्रशासन की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। विकास भवन सभागार में होने वाली जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाली पीड़ित महिलाएं अपने प्रार्थना पत्र एवं शिकायतें आयोग की अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगी। जनसुनवाई के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे, ताकि महिलाओं की शिकायतों पर मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जा सकें। प्रशासन का प्रयास रहेगा कि प्राप्त शिकायतों का नियमानुसार एवं प्रभावी ढंग से निस्तारण सुनिश्चित हो और पीड़ित महिलाओं को शीघ्र राहत मिल सके। महिला जनसुनवाई के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष जिला प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी करेंगी। बैठक में महिलाओं से संबंधित मामलों, शिकायतों के निस्तारण, महिला सुरक्षा तथा कल्याणकारी योजनाओं समेत अन्य महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की जाएगी। जिला प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनसुनवाई के दौरान प्राप्त होने वाली शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और प्रत्येक मामले में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आयोग की अध्यक्ष के दौरे को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

भक्ति और उल्लास के साथ निकला भव्य श्री राम डोल जुलूस

बाजार कल्लूगंज से संतोषी माता टीला मंदिर तक गूंजे जयकारे; मनमोहक झांकियों और बैंड-बाजों ने मोहा मन

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- नगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के समापन अवसर पर 6 सितंबर की रात पारंपरिक श्री राम डोल जुलूस पूर्ण धार्मिक निष्ठा, भव्यता और धूमधाम के साथ निकाला गया। ढोल-नगाड़ों की थाप, गूंजते भक्ति संगीत और भगवान श्री कृष्ण के मनमोहक डोले के साथ निकले जुलूस में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

जुलूस का शुभारंभ नगर के प्रमुख व्यापारिक केंद्र बाजार कल्लूगंज से हुआ। पूरे जुलूस मार्ग को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाया गया था। जुलूस में शामिल सुंदर झांकियां, सुरीली धुनों पर बजते बैंड-बाजे और भगवान श्री कृष्ण का सजा हुआ डोला मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे।

कट खुलने के बाद भी किसान धरने पर अड़े, सभी पिलर हटाने की मांग

झालरा का कट खुलवाने के साथ मोचीपुरा कट के दो पिलर हटाए, लेकिन पूरी मांग पूरी होने तक धरना जारी रखने का ऐलान

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- ग्राम मोचीपुरा एवं झालरा में कट खुलवाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) का एनएच-19 पर अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को शुरू हो गया। किसानों का कहना है कि केवल आंशिक कार्रवाई से समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है, इसलिए जब तक सभी मांगें पूरी नहीं होतीं, उनका आंदोलन जारी रहेगा। बताया गया कि किसानों ने करीब एक सप्ताह पूर्व उपजिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार को ज्ञापन सौंपकर मोचीपुरा एवं झालरा में कट खुलवाने सहित अन्य समस्याओं के समाधान की मांग की थी। इसके बावजूद अपेक्षित कार्रवाई न होने पर सोमवार को बड़ी संख्या में किसान मोचीपुरा के सामने एनएच-19 पर धरने पर बैठ गए। धरने की सूचना मिलते ही एनएचएआई के एसडीओ आशीष शर्मा मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने झालरा का कट खुलवाने के साथ ही मोचीपुरा कट पर लगे दो पिलर भी हटवा दिए। कार्रवाई के बाद भी किसान पूरी तरह संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने मोचीपुरा कट पर लगे सभी पिलर हटाकर मार्ग को पूरी तरह सुचारु कराने की मांग दोहराई। भाकियू (अराजनैतिक) के प्रांतीय उपाध्यक्ष बलराम सिंह ने कहा कि किसानों की मांग केवल दो पिलर हटाने तक सीमित नहीं है। जब तक मोचीपुरा कट के सभी पिलर नहीं हटाए जाते और मार्ग पूरी तरह सुचारु नहीं किया जाता, तब तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र में यूटिलिटी स्थापित करने सहित अन्य मांगों के भी समाधान की मांग की। किसानों ने स्पष्ट किया कि मांगों के समाधान तक आंदोलन जारी रहेगा।

धरने के दौरान सरदार इकबाल सिंह, कुलबीर सिंह, अरविंद राजपूत, भोपाल राठी, श्याम सुंदर राठी सहित बड़ी संख्या में किसान एवं भाकियू (अराजनैतिक) के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिना परमिट लकड़ी का ट्रक छुड़ाने पहुंचे किसान नेता, रेंजर से नोकझोंक, 10 पर मुकदमा

रेंज कार्यालय में धरना-नारेबाजी कर ट्रक छोड़ने का दबाव बनाने का आरोप, वनरक्षक की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज किया केस

बिजनौर (सब का सपना):- बिना परमिट लकड़ी से लदे सीज ट्रक को छुड़ाने के लिए रेंज कार्यालय पहुंचे किसान नेताओं और वन विभाग के अधिकारियों के बीच विवाद हो गया। ट्रक छोड़ने का दबाव बनाने, धरना-नारेबाजी करने तथा सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में भारतीय किसान यूनियन तोमर के जिला अध्यक्ष समेत नौ नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ कोतवाली शहर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। वनरक्षक मोहित कुमार की तहरीर के अनुसार, पांच सितंबर को करीब 20-25 लोग रेंज कार्यालय पहुंचे थे। आरोप है कि लोगों ने सीज लकड़ी से भरे ट्रक को छुड़ाने के लिए वन विभाग के अधिकारियों पर दबाव बनाया। इस दौरान कार्यालय परिसर में धरना-नारेबाजी की गई और सरकारी कार्य प्रभावित करने का प्रयास किया गया। इसी दौरान रेंजर महेश गौतम और किसान नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक होने की बात भी सामने आई। मामला बढ़ने पर पुलिस को सूचना दी गई। वन विभाग की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर कोतवाली शहर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया गया है कि वन विभाग द्वारा पकड़ी गई लकड़ी के संबंध में बाद में 25 हजार रुपये की रसीद भी काटी गई। पुलिस के मुताबिक नामजद आरोपियों में अजय त्यागी, डॉ. सचिन गुप्ता, अमरकांत शर्मा, शादाब उर्फ सद्दू, जफर इकबाल उर्फ चिटर, अफसर, विशाल, फैसल और शमीम शामिल हैं। एक आरोपी को अज्ञात दशार्या गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मुकदमे में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

बिजनौर पहुंचे सुभासपा के राष्ट्रीय पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

सिंचाई विभाग गेस्ट हाउस में जुटे पार्टी कार्यकर्ता, फूल-मालाओं से किया अभिनंदन

बिजनौर (सब का सपना):- सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के व्यापार प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी पश्चिमांचल रामावतार जिंदल तथा पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता दयाराम भार्गव के बिजनौर पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। सोमवार को सिंचाई विभाग गेस्ट हाउस में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकताओं ने दोनों पदाधिकारियों का फूल-मालाएं पहनाकर अभिनंदन किया और पार्टी संगठन को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने कार्यकताओं से संगठन की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। नेताओं के पहुंचने पर कार्यकताओं में उत्साह का माहौल रहा।

यूपी टेक्स-2026 का मंगलवार को उद्घाटन करेंगे सीएम योगी, जुटेंगे देश के प्रतिष्ठित कपड़ा कारोबारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग क्षेत्र को नई पहचान और गति देने की दिशा में योगी सरकार का प्रयास लगातार प्रभावी परिणाम दे रहा है। इसी कड़ी में यूपी टेक्स-2026 का आयोजन 8 और 9 सितंबर 2026 को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर में किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका उद्घाटन करेंगे, जिसमें देश के प्रतिष्ठित वस्त्र व्यवसायी एवं निमार्ता हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम के जरिए प्रदेश के वस्त्र उद्योग की संभावनाओं, निवेश, उत्पादन और रोजगार के अवसरों को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। हथकरघा और वस्त्रोद्योग विभाग योगी सरकार में लगातार उपलब्धियों की तरफ बढ़ रहा है। वर्ष 2017-18 से अब तक वस्त्रोद्योग क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन के उद्देश्य से ह्यउत्तर प्रदेश हैंडलूम, पावरलूम, सिल्क, टेक्सटाइल एवं गारमेंटिंग पॉलिसी-2017 तथा ह्यउत्तर प्रदेश टेक्सटाइल एवं गारमेंटिंग पॉलिसी-2022 लागू की गई हैं। इन नीतियों के तहत नई वस्त्र इकाइयों तथा विस्तार/विविधीकरण करने वाली इकाइयों को लाभ पहुंचाते हुए 214 इकाइयों के पक्ष में लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किए गए हैं। वहीं 157 इकाइयों को कुल 416.75 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता वितरित की जा चुकी है। 4,122 बुनकरों को 73.18 करोड़ की मदद योगी सरकार ने हथकरघा एवं पावरलूम बुनकरों को स्वरोजगार और उत्पादन से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री हैंडलूम एवं पावरलूम उद्योग विकास योजना शुरू की। वित्तीय वर्ष 2023-24 से शुरू इस योजना के तहत अब तक 4,122 बुनकरों को 73.18 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता से लाभान्वित किया जा चुका है। योजना में नए करघों की खरीद, कार्यशाला निर्माण और प्रशिक्षण आदि के लिए सहायता का प्रावधान है। अनुसूचित जाति के हथकरघा एवं पावरलूम बुनकरों को विशेष रूप से लाभ पहुंचाने के लिए झलकारी बाई कोरी हथकरघा एवं पावरलूम विकास योजना भी संचालित है। इसके तहत अब तक 4,039 बुनकरों को 77.45 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी जा चुकी है। 99,929 पावरलूम बुनकरों को बिजली दर में राहत पावरलूम बुनकरों को उत्पादन लागत में राहत देने के लिए ह्यअटल बिहारी पावरलूम बुनकर विद्युत फ्लैट रेट योजना के तहत भी बड़ा कदम उठाया गया है। योजना के अंतर्गत 99,929 पावरलूम विद्युत कनेक्शनधारक बुनकरों को लाभ पहुंचाने के लिए अब तक 3,446.44 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता अनुमोदित की जा चुकी है। टेक्सटाइल पार्कों से बढ़ेगा निवेश और रोजगार प्रदेश में आधुनिक टेक्सटाइल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने पर भी सरकार का जोर है। लखनऊ-हरदोई की सीमा पर 1 हजार एकड़ भूमि पर अत्याधुनिक अवस्थापना सुविधाओं से युक्त पीएम मित्र पार्क की स्थापना की जा रही है, जिसका बाउंड्री-वॉल निर्माण कार्य 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इसके अलावा 3 अक्टूबर 2025 को संत कबीर टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क योजना घोषित की गई। इसके तहत वाराणसी, संत कबीर नगर, बरेली, बिजनौर और अमरोहा में टेक्सटाइल पार्कों की स्थापना के लिए भूमि चिह्नित करने की प्रक्रिया चल रही है। वहीं सीतापुर, रायबरेली, मऊ और कानपुर नगर में भी टेक्सटाइल पार्कों के लिए भूमि चिह्नित करने की कार्यवाही जारी है। नई योजनाओं से कौशल और बुनकरों की आय बढ़ाने पर जोर वित्तीय वर्ष 2026-27 में विभाग ने दो नई योजनाएं भी शुरू की हैं। उत्तर प्रदेश वस्त्र क्षेत्र प्रशिक्षण एवं कौशल विकास योजना के जरिए प्रदेश में स्थापित होने वाली वस्त्र इकाइयों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षित एवं कुशल श्रमिक उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

सुभाष वाल्मीकि के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनने पर वाल्मीकि बस्ती में जश्न

ढोल-नगाड़ों के साथ निकाला जुलूस, एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर दी बधाई

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष वाल्मीकि को पार्टी का क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनाए जाने पर वाल्मीकि बस्ती में खुशी का माहौल है। सोमवार को वाल्मीकि प्रवेश द्वार पर दर्जनों लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया और सुभाष वाल्मीकि को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की देखरेख अरविंद कुमार, गोविंद सिंह, अतुल सूद और रोहन वाल्मीकि ने की। इस दौरान लोगों ने कहा कि सुभाष वाल्मीकि को भाजपा में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने की जानकारी जैसे ही समाज के लोगों को हुई, खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने कहा कि यह समाज के लिए गौरव की बात है कि पार्टी ने उन्हें क्षेत्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। इस अवसर पर ढोल-नगाड़ों के साथ मोहल्ले में जुलूस भी निकाला गया। लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और सुभाष वाल्मीकि के उज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की। इसके अलावा अंशु पवार के निवास पर भी खुशी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अंशु पवार, गोविंद सिंह, पंकज भारती, अतुल सूद, शिवम सूद, अजय, काजल सूद, विशु, अभय कुमार, अरविंद कुमार, अंकुश कुमार, ललित कुमार, विशाल, बिट्टू, अरुण कुमार, सोनू कुमार, दीपू कुमार, जितेंद्र कुमार, गौरव कुमार, गौतम कुमार, अमित कुमार, ज्ञानचंद, आकू कुमार, उषा देवी समेत बड़ी संख्या में महिलाएं और अन्य लोग मौजूद रहे।

फुहारों के बीच खिली-खिली

दिखें आप

चुभती-झुलसा देने वाली गर्मी के दिन खत्म। अब आया मस्त मानसून का मौसम। जितनी बेसब्री से हमें फहारों के आने का इंतजार रहता है, उतनी ही दिक्कतें भी सामने आती हैं। कभी चेहरे का मेकअप पैची होने लगता है तो कभी बाल चिपचिपे हो जाते हैं। कभी कपड़े बदन से चिपक कर एक समस्या बन जाते हैं। समस्या होती है तो उसका समाधान भी होता है। बारिश के मौसम में आने वाली समस्याओं का निदान आइए जानते हैं

मानसून में महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना काफी कठिन हो जाता है। बारिश में जाने के लिए जी तो मचलता है, लेकिन कभी मेकअप बिगड़ जाने का डर, कभी बाल बिगड़ जाने का डर और कभी त्वचा की सुरक्षा उन्हें बाहर निकलने से रोकती है, पर बारिश में घर भी तो नहीं बैठा जा सकता। थोड़ी सी सावधानियों से आप बारिश का मजा भी ले सकती हैं और सजने-संवरने के अपने शौक को भी पूरा कर सकती हैं।

- इस मौसम में सिबेशियस व स्वेट ग्लैंड ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं, जिससे त्वचा चिपचिपी व ज्यादा पसीने व डैंड्रफ से युक्त हो जाती है। इसलिए प्रतिदिन माइल्ड शैंपू से बाल धोएं। हर धुलाई के बाद अच्छी क्वालिटी के कंडीशनर का प्रयोग करें। बाल झड़ेंगे नहीं। बाल उलझे, रूखे व बेजान नहीं होंगे।
- इस मौसम में बारिश में भीगे गीले बालों में अक्सर जुएं पड़ जाती हैं। बारिश में भीगे गीले बालों को भी शैंपू अवश्य करें। सिर में खुजलाहट होने पर नाखून से कुरेदे नहीं। त्वचा पर इन्फेक्शन होने का खतरा रहता है। कई बार दो-तीन दिन बाल न धोने पर बारिश में भीगे होने के कारण सिर में छोटे-छोटे दाने भी हो जाते हैं।
- यदि किसी वजह से सिर न धो रहे हों तो सूखे सिर में कोई भी टेलकम पाउडर डाल कर कंघी कर लें। डस्ट निकल जाएगी, पसीना नहीं आएगा। बारिश के मौसम में 1-2 घंटों के लिए सिर पर दही लगाएं। इसके अलावा मूंग की दाल को दरदरा पीस कर सिर में लगाएं, अच्छी कंडीशनिंग हो जाएगी। बालों में अच्छी शाइन आ जाएगी।
- एलोवेरा का जूस निकाल कर इसका पल्प भी कुछ देर सिर में एक-डेढ़ घंटा लगा कर फिर शैंपू कर लें। जर्म्स, दाने व डैंड्रफ खत्म हो जाएगी। यदि इन्फेक्शन ज्यादा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। बाल धोने के बाद तौलिए से अच्छी तरह सुखा कर चौड़े दांत की कंघी से बाल सुलझाएं। बारिश में भीगने के बाद बाल हमेशा खुले रखें।
- इस मौसम में यदि सिर में तेल लगाएं तो दो-तीन घंटे बाद ही सिर धो लें। ज्यादा देर तेल लगा रहेगा तो वह फेस पर आ जाएगा। बारिश के मौसम में हेयर जेल, मूस, हेयर स्प्रे का इस्तेमाल न करें। उमस के कारण सिर में पसीना अधिक आता है, इसलिए बालों में स्टाइल बनाने से पहले ह्यूमिडिटी प्रोटेक्टिव जेल लगाएं।
- इस मौसम में स्ट्रेट बालों को कर्ल करने व कर्ल बालों को स्ट्रेट करने से बचें। कर्ल बालों में स्टाइलिंग क्रीम या जेल लगा कर सेट कर लें व स्ट्रेट बालों की ढीली पोनीटेल बना लें। ध्यान रखें कि क्रीम व जेल एल्कोहल बेस्ड हो, जो बालों को चिपचिपा होने से बचाए।
- इस मौसम में वातावरण में ही नमी होने के कारण ब्लो ड्राई, रोलर सैटिंग आदि टिक नहीं पाते, इसलिए इनसे बचना चाहिए। ऐसे में लोअर बन व पोनीटेल अच्छी रहेंगी। गर्दन तक का कट इस मौसम में हमेशा चींटियां काटने का एहसास कराता है, ऐसा कट न रखें। इस मौसम के लिए विशेषतौर से मेंटेनेंस फ्री कट होना चाहिए। फ्रंट में फ्रींजिस दे सकते हैं।

मेकअप टिप्स

- सावन की बरसती बूंदें मन को अवश्य खुशी देती हैं, पर ये बूंदें ही चिपचिपे, उलझे बाल, तैलीय त्वचा व तन के श्रृंगार को तहस-नहस कर देती हैं। घर से बाहर जाने से बीस-पच्चीस मिनट पहले सनस्क्रीन लोशन लगा लें।
- इस मौसम में जरूरत से ज्यादा मेकअप बेस लगाने से बचें। अगर लगाएं तो सिलिकोन बेस या वॉटर प्रूफ फाउंडेशन की पतली परत लगाएं। पानी की बूंदें पड़ते ही पानी व पसीना बहकर निकल जाएगा। मेकअप वैसे का वैसा रहेगा। पाउडर बेस पर बूंदें पड़ते ही मेकअप पैची हो जाएगा।
- बारिश के मौसम में मेकअप हल्का ही करें। मेकअप बेस अपनी त्वचा से एक टोन गहरा लें। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि हेयर लाइन के पास पसीना ज्यादा आता है, इसलिए इस हिस्से पर फाउंडेशन कम से कम लगाएं।
- बारिश में आंखों का मेकअप ज्यादा खराब हो जाता है। इस मौसम के लिए काजल, आई लाइनर, मस्कारा आदि वॉटर प्रूफ ही लें। इस मौसम में विशेषतौर से ट्रांसपेरेंट मस्कारा व कलर्ड काजल पेंसिल का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- आई शैडो व ब्लश ऑन लगाना हो तो कभी भी पाउडर बेस न लगा कर मौसम को ध्यान में रखकर क्रीम बेस्ड ही लगाएं। इसके लिए लिपस्टिक को भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है। पर ध्यान दें त्वचा पर अच्छी तरह फैल जाए।
- बारिश के मौसम में लिपग्लॉस का प्रयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए, यह हर फुहार की बूंद के साथ होठों के इर्द-गिर्द फैलता है। लिपस्टिक भी गॉढ़ी न लगाकर हल्की ही लगाएं। पूरा मेकअप हो जाने के बाद मेकअप फिक्सिंग स्प्रे लगा लें। इससे मेकअप सेट हो जाता है। बिंदी स्टिक ऑन ही इस्तेमाल करें।

स्किन केयर टिप्स

- इस मौसम में चिपचिपी त्वचा से छुटकारा पाने के लिए चंदन पाउडर में गुलाब जल मिला कर चेहरे, गर्दन व बांहों पर लगाएं। थोड़े से जीरा पाउडर में नारियल का तेल मिला कर इसे गर्दन व आसपास के हिस्सों पर लगाएं।
- चिकनी त्वचा वाले लोग शहद व नींबू का रस बराबर भाग में मिला कर लगा सकते हैं। यदि आप चाहें तो इसमें अंडे की सफेदी भी मिला लें। एक घंटा त्वचा पर लगा रहने दें फिर ठंडे पानी से धो दें। इसके अलावा कच्चे दूध में बेसन मिला कर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।
- शुष्क त्वचा वाले लोग एक बड़ा चम्मच दूध की क्रीम में गुलाब जामुन मिला कर लगाएं व पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें। त्वचा को साफ करने के लिए पपीते के छोटे टुकड़े करें, इनसे त्वचा को साफ करें। पपीते का रस व गूदा पांच-सात मिनट तक त्वचा पर लगा रहने दें, फिर त्वचा धो लें।
- इस मौसम में रात को त्वचा की टोनिंग करना चाहिए। इसके लिए एक छोटा चम्मच दूध में पांच बूंदें चमेली के तेल की मिलाएं। इस तैयार मिश्रण को चेहरे व गर्दन पर लगाएं। बारिश के मौसम में भी सनस्क्रीन लोशन लगाना बंद नहीं करना चाहिए।
- इन दिनों फंगस इन्फेक्शन सबसे ज्यादा हो जाता है। गीले कपड़े व गीले जूते देर तक न पहने रहें। एंटी फंगस साबुन से त्वचा को साफ करें। शरीर के जोड़ों, पांवों की उंगलियों आदि में साधारण या एंटी फंगस पाउडर का इस्तेमाल करते रहें।
- बारिश के मौसम में बेजान हो जाने वाली त्वचा में नई जान डालने के लिए शहद व दही बराबर मात्र में मिला कर अच्छी तरह से चेहरे व गर्दन पर लगाएं। पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें।

विंड चाइम से बढ़े

घर की रौनक

विंड चाइम, इसे पवन घंटियां भी कहा जाता है। इसके प्रयोग से सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। विंड चाइम धातु, लकड़ी, बांस या सिरेमिक पाइप से बनी होती है। ये पाइप अंदर से बांसुरी की तरह खाली होते हैं। इन पाइपों को रेशमी धागों से बांधा जाता है। लकड़ी और बांस से बनी विंड चाइम पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व दिशा में लगानी चाहिए। इससे घर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ने के साथ-साथ नाम व यश भी बढ़ता है। छह रॉड वाली गोल्डन व येलो कलर की विंड चाइम उत्तर-पश्चिम दिशा में लगाने से यश एवं समृद्धि में वृद्धि होती है। नौकरी एवं व्यवसाय में तरक्की के अवसर मिलते हैं। सात रॉड वाली सिल्वर व सफेद रंग वाली विंड चाइम घर में पश्चिम दिशा में लगाने से परिवार के सदस्यों तथा ऑफिस में लगाने से सहकर्मियों और नौकरों से संबंध अच्छे बने रहते हैं।
जिन लोगों की जन्मतिथि में धातु तत्व की कमी हो, उन्हें मेटल की विंड चाइम और पृथ्वी तत्व की कमी होने पर सिरेमिक विंड चाइम का प्रयोग करना चाहिए। एल्यूमिनियम, लोहे व पीतल के पाइप वाली विंड चाइम का प्रयोग हानिकारक होता है। इन पर पाउडर कोटिंग की जाती है, लेकिन इनकी आवाज कर्कश होती है।

क्रिस्टल बॉल

यह घर में नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव को समाप्त कर सकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि करती है। घर में किसी भी प्रकार का वास्तु दोष होने पर पूर्व दिशा में 9 क्रिस्टल बॉल्स का गुच्छा लगाने से काफी हद तक वास्तु दोष से मुक्ति पाई जा सकती है। घर की पश्चिम दिशा में क्रिस्टल बॉल इस प्रकार लगाएं कि सूर्य की किरणें उस पर पड़ें। इससे घर के बुजुर्गों और महिलाओं में दिनभर ऊर्जा बनी रहती है। घर के निराशाजनक वातावरण को दूर कर सुख-शांति और धन की वृद्धि करने में भी यह सहायक है। घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में डायमंड कट वाली क्रिस्टल बॉल, जहां पिता-पुत्र संबंधों में मधुरता लाती है, वहीं जीवन में प्रेम का संचार भी करती है।

सिक्के और घंटियां

फेंगशुई सिक्के ऊपर से गोल और अंदर से वर्गाकार छेद लिए होते हैं। घर में सौभाग्य और समृद्धि लाने के लिए इन सिक्कों का प्रयोग किया जाता है। इसके लिए तीन फेंगशुई सिक्कों को लाल रंग के रिबन या रेशमी धागे से एक साथ बांधकर पर्स या दुकान के गल्ले में रखा जाता है। इसके अलावा इन सिक्कों को केवल मुख्य द्वार पर अंदर की तरफ और तिजोरी के दरवाजे पर भी बांधा जा सकता है। इन सिक्कों के साथ-साथ छोटी घंटियों को भी बांधा जा सकता है। लाल रिबन से बंधी ये घंटियां सौभाग्य का प्रतीक होती हैं। इन घंटियों से किसी प्रकार की ध्वनि नहीं होती। पुरानी हो जाने पर इन घंटियों को बदल देना चाहिए।

नरम बूंदों के साथ गरम पकौड़ी

मौसम बारिश का हो और पकौड़ी का स्वाद न लिया जाए, यह कैसे हो सकता है। इस मौसम में सबका मन गरमा-गरम पकौड़ी खाने को करता है। तो आइए जानते हैं कैसे बनाएं पकौड़ी।

भुट्टा-पालक पकौड़ी

सामग्री

5 भुट्टे नरम दाने वाले,100 ग्राम पालक कटा हुआ, 4-5 हरी मिर्च, एक टुकड़ा अदरक, 4-5 लहसुन की कली , आधा चम्मच जीरा, हरा धनिया बारीक कटा हुआ, एक बड़ा चम्मच बेसन , नमक स्वादानुसार , आधा चम्मच लाल मिर्च , एवं तलने के लिए तेल

बनाने की विधि

सबसे पहले भुट्टों को साफ करके कद्दूकस करें। भुट्टे, पालक, हरी मिर्च, अदरक एवं लहसुन को थोड़ा मोटा ही पींस लें। अब सभी मसालों को बेसन में मिलाकर अच्छी तरह से खोल लें। पीसे हुए भुट्टे व पालक को बेसन में लपेटकर तेल में तलें। तलने के बाद इसे चटनी के साथ सर्व करें।

पालक रोल पकौड़ी

सामग्री

पालक के 15 पत्ते , 200 ग्राम बेसन, 2 चम्मच चावल का आटा, 2 आलू उबले व मैश किए हुए, एक चम्मच धनिया, चौथाई चम्मच हल्दी, दो-तीन हरी मिर्च बारीक कटी, एक चम्मच लाल मिर्च, एक चम्मच अदरक बारीक कटा हुआ , हरा धनिया कटा हुआ, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार,

बनाने की विधि

मैश हुए आलू में सभी मसाले मिलाएं। हर पत्ते को अच्छी तरह पोंछकर उन पर थोड़ा सा आलू का मिक्सचर रखें और रोल कर लें। बेसन का गाढ़ा घोल बनाकर उसमें चावल का आटा मिला दें। हर रोल को उसमें डुबोकर फ्राई करें।

कच्चे केले के पकौड़े

सामग्री

6 कच्चे केले, 200 ग्राम बेसन, आधा चम्मच गरम मसाला, नमक स्वादानुसार, एक चौथाई चम्मच हल्दी, एक कद्दूकस किया प्याज, 3-4 बारीक कटी हरी मिर्च, तलने के तेल

बनाने की विधि

केलों को उबालकर छीलें व हाथ से अच्छी तरह मेश कर लें। बेसन को सूखा ही भून लें। भुने बेसन में मेश किया केला, कटी सामग्री व मसाले खूब अच्छी तरह मिक्स कर लें। आवश्यकता हो तो इसमें थोड़ा-सा दूध मिला लें। अब एक कड़ाई में तेल गर्म कर लें। कम आंच पर उलट-पलट कर गुलाबी होने तक तलें। केले के इन पकौड़ों को गरमा-गरम चाय के साथ पेश करिए या किसी खट्ठी-मीठी चटनी के साथ इसका स्वाद दुगुना हो जाएगा।

मशरूम के पकौड़े

सामग्री

200 ग्राम मशरूम, 200 ग्राम बेसन, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादानुसार कटा हुआ मिर्च- तीन, तलने के तेल

बनाने की विधि

मशरूम को साफ करके धो लें। इनको कुछ देर स्टीम देकर मुलायम कर लें। बेसन में नमक-मिर्च व पानी डालकर पकौड़ों के हिसाब से घोल तैयार कर लें। इसी में हरा धनिया भी डाल दें। मशरूम को आधे-आधे काटकर बेसन लपेटकर गर्म तेल में तलें। आपके लिए गर्मागर्म मशरूम के पकौड़े तैयार हो गए।

क्रिस्पी बैंगन पकौड़े

सामग्री

एक भुर्ते वाला बड़ा बैंगन, 4-5 खड़ी लाल मिर्च
2-3 कली लहसुन, 1 कप बेसन
आधा कप चावल का आटा, नमक स्वादानुसार
1 चम्मच नींबू का रस, एक चौथाई चम्मच हल्दीएक
चौथाई चम्मच अजवाइन, 1 चुटकी हींग
तलने के लिए तेल।

बनाने की विधि

बैंगन को धोकर पतली गोल-गोल स्लाइस काट लें। लाल मिर्च, लहसुन, नमक, नींबू रस एवं थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। बेसन में चावल का आटा, हींग, नमक, अजवाइन एवं थोड़ा पानी मिलाकर पकौड़े का घोल तैयार करें। एक कड़ाही में तेल गर्म करें। बैंगन की एक स्लाइस लेकर इस पर लाल मिर्च का पेस्ट चुपड़े। ऊपर से दूसरी स्लाइस रखें। इसे बेसन के घोल में डुबोकर गर्म तेल में सुनहरा भूरा होने तक तलें। गर्मागर्म क्रिस्पी बैंगन पकौड़ों को सॉस और हरी चटनी के साथ परोसें। इसका स्वाद लाजवाब लगेगा।

जानकारी

कान दर्द से बचने के घरेलू नुस्खे

कान दर्द के घरेलू उपाय

कान में होने वाला दर्द बहुत असहनीय होता है। इसके पीछे कई कारण होते हैं जैसे कान पर चोट लग जाना या किसी प्रकार की समस्या आदि। इनसे बचने के लिए घर पर ही कई ऐसी चीजें मौजूद होती हैं जो कान दर्द से निजात

दिलाती हैं। आइए जानें कान दर्द के घरेलू नुस्खों के बारे में

मेथी

पांच ग्राम मेथी के बीज एक बड़ा चम्मच तिल के तेल में गरम करें। इसे छानकर शीशी में भर लें। हर रोज सुबह-शाम दो बूंद इसे कान में डालें। इसे कान पीप का उम्दा इलाज माना गया है।

यूकेलीप्टस का तेल

एक कटोरे में उबाला हुआ पानी लें,इसमें यूकेलीप्टस के तेल की कुछ बूंदें और एक चम्मच विक्स मिला दें अब एक तौलिए से अपने सिर को अच्छी तरह से ढक लें और नाक से सांस के माध्यम से वाष्प को जितना हो सके अंदर खींचें,यह अंदर के दबाव को कम कर कर्णस्राव को बाहर निकालने में मदद करता है।

नमक से सिंकाई

चार या पांच चम्मच नमक को सौसपेन में तबतक धीमी आंच पर भुनें जब तक की यह भूरे रंग का न हो जाए ,अब इस गर्म किए हुए भुने नमक को एक साफ कपड़े पर अच्छी तरह से लपेट लें और इसे कान के प्रभावित हिस्से में दो से पांच मिनट तक रखें , आप सूजन और दर्द में आराम महसूस करेंगे।

विटामिन सी का सेवन

अपने भोजन में अधिक से अधिक विटामिन-सी युक्त पदार्थों जैसे अमरूद ,नींबू ,संतरे ,पपीते अदि फलों का प्रयोग करें ये कान में होने वाले दर्द को कम करने में उपयोगी होते हैं।

सिरका

सफेद सिरके (वेनेगर) एवं रबिंग एल्कोहल के मिश्रण को दो बूंद ड्रॉपर की मदद कान में डालकर कान को कुछ समय(लगभग एक घंटे) तक रूई से बंद कर देने और इसी क्रम को बार-बार दुहराने से संक्रमण ठीक होता है।

अदरक

कान में दर्द की समस्या को नजरअंदाज करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। अगर कान में दर्द हो रहा है तो अदरक का रस निकालकर दो बूंद कान में टपका देने से भी दर्द और सूजन में काफी आराम मिलता है।

लहसुन

लहसुन की दो कलियों को अच्छी तरह से पीस लें अब इसमें एक चुटकी नमक मिलाकर ऊनी कपड़े से बनाई गई पुल्टीस को दर्द वाले हिस्से के ऊपर रखें ,इससे दर्द में आराम मिलेगा।

प्याज का रस

प्याज का रस निकाल लें,अब रुई के फाये या किसी वूलेन कपड़े के टुकड़े को इस रस में डुबाएं। अब इसे कान के ऊपर निचोड़ दें ,इससे कान में उत्पन्न सूजन,दर्द ,लालिमा एवं संक्रमण को कम करने में मदद मिलती है।

सरसों का तेल

दो या तीन बूंद सरसों का तेल संक्रमण युक्त कर्णवेदना में लाभ देता है। एक साफ सुथरे तौलिये को गर्म पानी में डुबाएं और इसे संक्रमण युक्त कान के हिस्से के ऊपर दबाते हुए लगभग 20 मिनट तक रखें यह कर्णवेदना से तुरंत आराम देता है।

तुलसी की पत्तियां

तुलसी के पत्तों का रस गुनगुना कर दो-दो बूंद सुबह-शाम डालने से कान के दर्द में राहत मिलती है। अगर अक्सर कान में दर्द होता है तो यह नुस्खा बहुत ही असरकारी साबित हो सकता है आपके लिए। तुलसी के पत्तों में औषधीय गुण होते हैं जो दर्द में आराम दिलाते हैं।

थायराइड के मरीज को कभी नहीं करना चाहिए इन 5 चीजों का सेवन

थायरॉइड एक किस्म का हारमोन है। हमारे थायरॉइड ग्लैंड्स शरीर से आयोडीन लेकर इन्हें बनाते हैं। ये हारमोन हमारे मेटाबॉलिज्म को बनाए रखने के लिए जरूरी होते हैं। जब ग्लैंड्स किसी वजह से ज्यादा हारमोन बनाने लगते हैं, तो उसे हम कहते हैं कि थायरॉइड बढ़ गया है। थायरॉइड का बढ़ा होना बड़ी दिक्कत देता है। महिलाएं इसकी सबसे ज्यादा शिकार होती हैं। इससे वजन बढ़ने के साथ ही बेचैनी, ठीक से नींद न आना, पीरियड का टाइम पर न आना, दिल की धड़कन बढ़ना जैसी परेशानियां होने लगती हैं।

इसके इलाज के लिए डॉक्टर से मिलें और वक्त पर दवा लें। यह इतनी बड़ी बीमारी भी नहीं है कि काबू न आ पाए। इसके अलावा आपको इन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि ऐसी चीजें न खाएं, जिससे थायरॉइड से पैदा होने वाली परेशानियां और बढ़ जाएं। आइये आपको बताते हैं कि थायरॉइड में किन चीजों से परहेज जरूरी है।

कैफीन

कैफीन वैसे तो सीधे थायरॉइड नहीं बढ़ाता, लेकिन ये उन परेशानियों को बढ़ा देता है, जो थायरॉइड की वजह से पैदा होती हैं, जैसे बेचैनी और नींद में खलल। इसलिए आप कॉफी से थोड़ा दूर ही रहें तो ठीक है।

आयोडीन वाला खाना

हमने शुरू में ही बता दिया था कि थायरॉइड ग्लैंड्स हमारे शरीर से आयोडीन लेकर थायरॉइड हारमोन को पैदा करते हैं। ऐसे में जो लोग इसके ज्यादा होने से परेशान हैं, उन्हें ऐसे खाने से परहेज करना चाहिए, जिनमें खूब आयोडीन हो। सी फूड और आयोडीन वाले नमक को अवॉइड करें।

एल्कोहल

एल्कोहल यानी शराब, बीयर आदि शरीर में एनर्जी लेवल को प्रभावित करते हैं। इससे थायरॉइड से ग्रसित लोगों की नींद में दिक्कत की शिकायत और बढ़ जाती है। इसके अलावा इससे ओस्टियोपोरोसिस का खतरा भी बढ़ जाता है। शराब तो किसी के लिए अच्छी नहीं होती। इसकी वजह से मोटापा भी बढ़ता है।

वनस्पति घी

भारत में आमतौर पर हम इसे डालडा घी बोलते हैं। इस घी को दरअसल वनस्पति तेल को हाइड्रोजन में से गुजारकर बनाया जाता है। इस घी का इस्तेमाल खाने-पीने की दुकानों में जमकर होता है। इससे अच्छे कॉलेस्ट्रॉल खत्म होते हैं और बुरे बढ़ते हैं। बढ़े थायरॉइड से जो परेशानियां पैदा होती हैं, ये उन्हें और बढ़ा देता है।

रेड मीट

रेड मीट में कॉलेस्ट्रॉल और सेचुरेडेट फैट बहुत होता है। इससे वेट तेजी से बढ़ता है। थायरॉइड वालों का वेट तो वैसे ही आगे की ओर भागता है। इसके अलावा रेड मीट खाने से थायरॉइड के रोगियों को बदन में जलन की शिकायत होने लगती है। आप चिकन वगैरा ले सकते हैं, चिकन की चेस्ट में अच्छा प्रोटीन होता है और उससे फैट बढ़ने की दिक्कत नहीं होती।

योग से दूर करें थायराइड

थायराइड की समस्या थॉयरॉक्सिन हार्मोन के असंतुलन के कारण होती है। इस हार्मोन की वजह से पूरे शरीर की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है, जिसमें ऊर्जा में कमी, चिड़चिड़ापन, वजन असंतुलन, रक्तचाप आदि लक्षण शामिल हैं। योग से शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक कायाकल्प प्राचीन पद्धति का तरीका है। योग के विभिन्न आसन थायराइड पर नियंत्रण पाने के लिए सहायक सिद्ध हो सकते हैं। इसके लिए आपको नियमित योगाभ्यास की जरूरत होती है। आइए जानें कौन-कौन से आसन करके थायराइड के रोग को योग द्वारा भगाया जा सकता है।

विपरीत करणी आसन

सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं फिर अपने दोनों हाथों और दोनों पैर आपस में जोड़ें। अब दोनों पैरों को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं। पहले 30 डिग्री, फिर 60 डिग्री और 90 डिग्री तक आकर पैरों को रोक लें। अब दोनों हाथों को नितंबों पर रखकर पैरों को ऊपर उठाएं और दोनों कुहनियों को जमीन पर ही रखें। अब पैरों को सीधा रखें और हथेलियों के सहारे कमर को ऊपर उठाने का प्रयास करें। इसके बाद धीरे-धीरे वापस हाथों के सहारे कमर को नीचे लाएं। फिर पैरों को 90 डिग्री के कोण पर लाएं और इस स्थिति में थोड़ी देर रूकें। **यह योग उन लोगों को नहीं करनी चाहिए जिन्हें हाई ब्लडप्रेशर या हर्ट से संबंधित, स्पोंडलाइटिस और स्लिप-डिस्क की शिकायत है।**

मत्स्यासन व हलासन

मत्स्यासन में पीठ के बल सीधा जमीन पर लेट जाएं फिर अपने पैरों को आपस में जोड़ लें। अब दोनों हाथों को गर्दन की पास रखें और हथेलियों का सहारा लेते हुए गर्दन को उठाने का प्रयास करें। अब दोनों हाथों को जांघ पर रखें। वापस आते समय दोनों हथेलियों के सहारे गर्दन को दोबारा उसी स्थिति में वापस ले आएं। हलासन में पीठ के बल लेट कर अपने पैरों को मिला लें। अब धीरे-धीरे दोनों पैरों को एक साथ ऊपर उठाएं और पैरों को 30, 60 और 90 डिग्री के कोण पर लाकर रोकें। अब दोनों हाथों पर जोर देकर पैरों को सिर की ओर थोड़ा सा झुकाएं। जब पैर जमीन को स्पर्श करने लगे, तो दोनों हथेलियों को क्रॉस करके बांधे और सिर पर रखें।

ब्रह्ममुद्रा व नाड़ीशोधन प्राणायाम

ब्रह्ममुद्रा आसन के लिए वज्रासन में या अपनी कमर सीधी करके बैठें और गर्दन को 10-15 बार ऊपर-नीचे, और फिर दाएं-बाएं करें। और इतनी ही बार क्लॉक वाइज और एंटी क्लॉक वाइज घुमाएं। नाड़ीशोधन प्राणायाम में कमर और गर्दन सीधी करके बैठें और फिर एक नाक से धीरे-धीरे लंबी और गहरी सांस लेकर दूसरे नाक से निकालें। यही क्रिया फिर दूसरी नाक से भी करें। इस कम से कम 10 बार दुहराएं।

उष्ट्रासन व धनुरासन

घुटनों पर खड़े हो जाएं। फिर पीठ को पीछे की ओर झुकाते हुए दोनों हाथों से एड़ियों को पकड़कर गर्दन पीछे की ओर झुकाएं और पेट को आगे की तरफ उठाएं। चूंकि इस आसन में शरीर ऊंट की आकृति जैसा हो जाता है। इसलिए इसे उष्ट्रासन कहा जाता है। इस स्थिति में 10-15 बार सांस धीरे-धीरे लें और छोड़ें। धनुरासन में पेट के बल लेटकर दोनों टखनों को पकड़ लें। (इस आसन में शरीर धनुष के सामान हो जाता है।) फिर गर्दन, सिर, छाती और घुटनों को ऊपर उठाकर 10-15 बार धीरे-धीरे लंबी और गहरी सांस लें और छोड़ें।

(यह सब आसन थायराइड को दूर करने के लिए है पर आप इस बात का ध्यान रखें कि इन आसनों को किसी योग विशेषज्ञ की देखरेख में ही करें।)

सुझाव

घरेलू नुस्खों से कैसे करें इम्पेटिगो का उपचार

इम्पेटिगो एक बेहद ही संक्रामक त्वचा संकमण है, जो आमतौर पर चेहरे, गर्दन, हाथ और पैर पर होता है। हल्के मामलों का इलाज साफ-सफाई का ध्यान रखकर या घरेलू उपचार के साथ किया जा सकता है। आइए इम्पेटिगो के घरेलू उपायों के बारे में जानकारी लेते हैं।

घरेलू उपायों से करें इम्पेटिगो का इलाज

इम्पेटिगो बेहद ही संक्रामक त्वचा संकमण है, जो आमतौर पर चेहरे, गर्दन, हाथ और पैर पर होता है। आमतौर पर यह समस्या दो प्रकार के बैक्टीरिया यानी स्ट्रेप्टोकोकस प्योगेनेस और स्टेफाइलोकोकस के कारण होती है। बैक्टीरिया त्वचा को कट के माध्यम से संक्रमित करती है, अन्यथा स्वस्थ त्वचा में खुजली या एक्जिमा जैसे अन्य अंतर्निहित समस्याएं के कारण ऐसा होता है। हालांकि यह समस्या किसी को भी हो सकती है, लेकिन छोटे बच्चों और शिशुओं में यह बहुत ही आम है। अन्य जोखिम कारकों में स्वच्छता की कमी, गर्म मौसम और अन्य प्रकार के त्वचा संक्रमण, सूजन, डायबिटीज, कमजोर इम्यूनिटी शामिल है। इम्पेटिगो के लक्षण प्रकार पर निर्भर करते हैं। हालांकि आम लक्षणों में लाल चकत्ते, तरल पदार्थ से भरे छाले, खुजली, प्रभावित हिस्से पर खरोंच, त्वचा पर घाव और सूजन लिम्फ नोड्स शामिल है। इम्पेटिगो का इलाज हालत की गंभीरता पर निर्भर करता है।

इस्तेमाल का तरीका

- 2 कप गुनगुने पानी में एक चम्मच सफेद सिरका मिला लें।
- फिर कपड़े के उपयोग से मिश्रण को संक्रमित त्वचा को धो लें ।
- फिर त्वचा को ड्राई करके, ओवर-द-काउंटर एंटीबायोटिक क्रीम लगाये।
- हल्के से गॉज की मदद से संक्रमित हिस्से को कवर करें।
- इस उपाय को संक्रमण दूर होने तक दिन में 2 या 3 बार करें।

सफेद सिरका का प्रयोग ओरल

त्वचा की चिकित्सा के लिए संक्रमित हिस्से को साफ रखने के लिए बहुत जरूरी होता है। इसे साफ करने के लिए आप पानी या एंटीबायोटिक वॉश का उपयोग कर सकते हैं। आप सफेद सिरके के इस्तेमाल से खुद का एंटीबायोटिक मिश्रण तैयार कर सकते हैं। यह संक्रमण को फैलने से रोकने के साथ संक्रमित हिस्से को सूखने में मदद करता है।

टी ट्री तेल: टी ट्री ऑयल इस बैक्टीरिया के संक्रमण को फैलने से रोकता हैं। यह तेल मजबूत एंटी-माइक्रोबील और एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुणों से भरपूर होता है जो संक्रमण से लड़ने और लक्षणों से राहत देने में मदद करता है।

इस्तेमाल का तरीका : टी ट्री ऑयल ऑयल की कुछ बूंदों को एक चम्मच ऑलिव ऑयल में मिला लें। इस मिश्रण को प्रभावित हिस्से पर अच्छी तरह से लगा लें। इसे 20 से 30 मिनट बाद गुनगुने पानी से साफ कर लें। कुछ दिनों तक इस उपाय को नियमित रूप से 2 से 3 बार करें। वैकल्पिक रूप से, गुनगुने पानी के एक छोटे से टब में टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदे मिलाये। इस मिश्रण से प्रभावित हिस्से को दिन में कई बार धोने में प्रयोग करें।

अंगूर बीज का सत्त: अंगूर बीज का सत्त इम्पेटिगो के इलाज में कारगर है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण एक गैर विषैले कीटाणुनाशक के रूप में काम करता है।

इस्तेमाल का तरीका : अंगूर के बीज के सत्त में कुछ बूंदे 2 बड़े चम्मच पानी में मिलाएं। फिर इसे कॉटन बॉल की मदद से संक्रमित त्वचा पर दिन में 2 या 3 बार लगाएं। हो सकता है कि शुरुआत में आपको खुजली हो लेकिन इससे संक्रमण जल्द ही ठीक हो जायेगा।

प्रभावी उपाय लहसुन: लहसुन में मौजूद प्राकृतिक एंटीबायोटिक गुण बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते है। साथ ही यह खुजली और दर्द से छुटकारा दिलाने में मदद करता है।

इस्तेमाल का तरीका : 2 चम्मच तिल के तेल में लहसुन की 2 से 3 कली कुचलकर जला लें। फिर इसे तेल को ठंडा होने दें। कुछ दिनों के लिए इसे नियमित रूप से प्रभावित त्वचा पर दिन में दो बार लगाएं। आप चाहे तो इसमें कच्चे लहसुन की कुछ कली को अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 4002

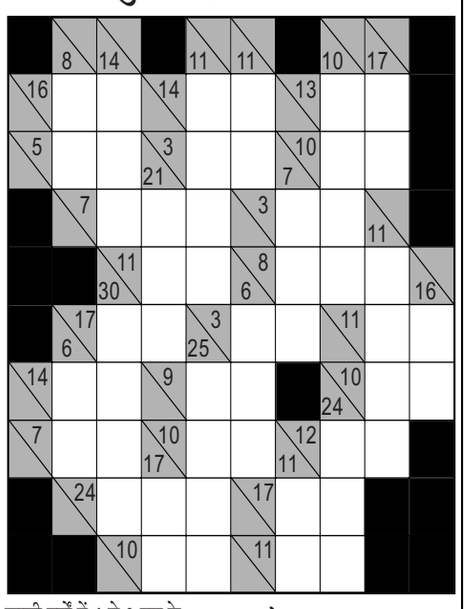

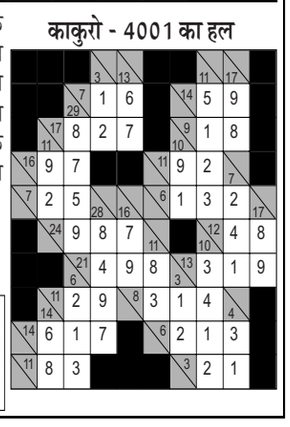

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4001 का हल

हंसी के फूव्वारें

तुम्हारे घर में किसका शासन चलता है ?

अपनी जगह सभी शासन करते हैं.

वह कैसे ?

मेरी पत्नी बच्चों पर शासन करती है, बच्चे नौकरों को डांटते रहते हैं और मैं कुत्ते-बिल्लयों को झिड़कता रहता हूं.

मोहन तुम आजकल स्कूल में कैसे चल रहे हो ?

मोहन बोला- वाह पापाजी, मैं कभी आपसे आपके ऑफिस के बारे में बात करता हूं ?

थका हुआ पतिः आज शाम का घूमना तो रद्द करो.

पत्नीः आप तो सवेरे से ही कह रहे थे मैं तो तभी से मेकअप कर रही थी अब पूरा हुआ तो आप मना करने लगे.

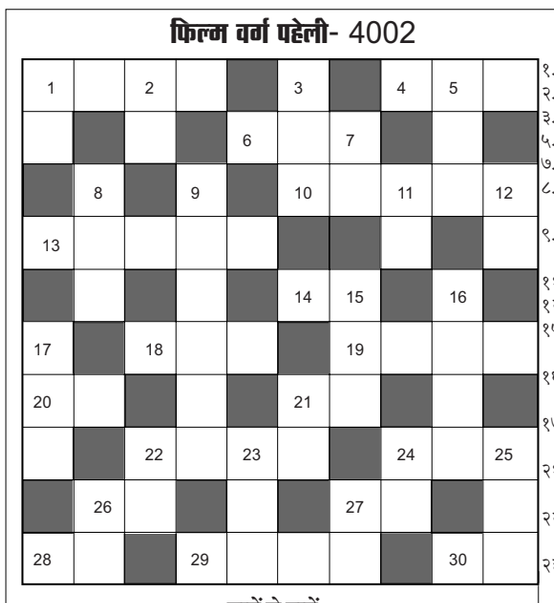

दस साल के एक लड़के का दांत निकालने के बाद डॉक्टर ने उसके बाप से कहा-लाओ पांच रुपये.

पांच रुपये ? मगर आपने तो पहले कहा था कि आप दांत उखाड़ने का एक रुपया लेते हैं.

ठीक है, मगर आपके लड़के की चिल्लाहट सुनकर दांत उखड़वाने के लिए आये हुए मेरे चार रोगी भी तो चले गये.

फिल्म वर्ग पहेली- 4002

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4001

सूडोकु -4002

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4001 का हल

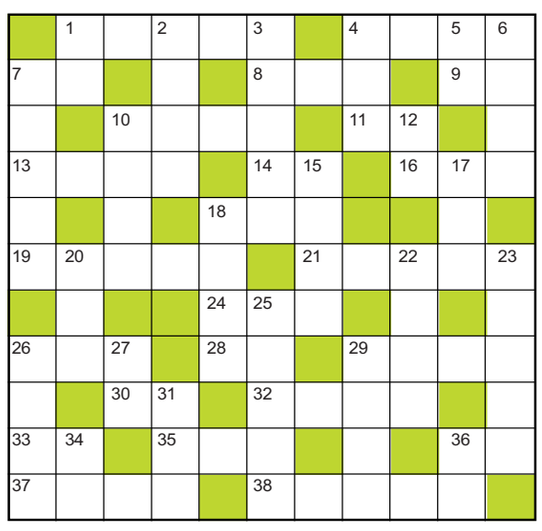

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 4002

बाएँ से दाएँ

1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे

1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली -4001 का हल